दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 12 लाख की ठगी का आरोप पूर्व विधायक पर केस दर्ज

5 निखरेगी प्रदेश की राजधानी, जल्द मिलेगी नई विधानसभा मेट्रो के नए फेज में आएगी तेजी

8 पाकिस्तान के उस्मान तारिक के एक्शन पर छिड़ी बहस, अश्विन और आकाश चोपड़ा आमने-सामने

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 34 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 16 फरवरी, 2026

PM मोदी ने बांग्लादेश के फ्यूचर PM तारिक रहमान को बांग्ला में बधाई क्यों दी?

"चुनी हुई सरकार को काम करने दें" सुप्रीम कोर्ट की हिमाचल हाई कोर्ट को सीधी चेतावनी, बार-बार दखल पर जताई नाराजगी

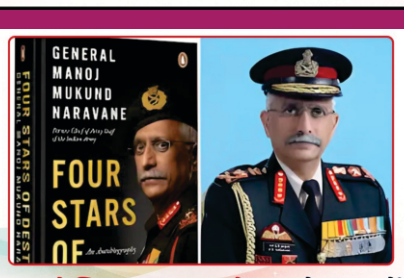

नरवणे विवाद का साइड इफेक्ट, बड़े अफसरों के किताब लिखने पर लग सकती है 20 साल की रोक, सरकार का प्लान

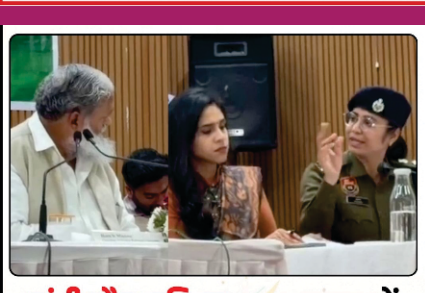

मंत्री और महिला IPS अफसर में भिड़ंत: विज ने कहा-पुलिस जवान को सस्पेंड करो, SP बोली-मेरी पावर नहीं है, जमकर हुई तू-तू-मैं-मैं

"नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका में Genz ने सरकार बदल दी,BJP को यह डर था कि अगर कैंपस यूनाइटेड होगा तो उनकी सरकार हट सकती है।"

हर कोई खुद को नहीं लिख सकता शंकराचार्य

अविमुक्तेश्वरानंद विवाद पर सीएम योगी ने दी पहली प्रतिक्रिया

कहा, मुख्यमंत्री का पद भी कानून से ऊपर नहीं, सपा से बोले- आपको पूजना हो तो पूजिए

हम कानून का पालन करना भी जानते हैं और कानून का पालन कराना भीः मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद विवाद पर पहली बार खुलकर अपनी बात रखते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी पद की गरिमा नियम और परंपरा से तय होती है। उन्होंने कहा, "क्या कोई भी व्यक्ति अपने को मुख्यमंत्री, मंत्री या किसी दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताकर प्रदेश में घूम सकता है? एक व्यवस्था है, एक प्रणाली है और सबको उसका पालन करना होगा।" उन्होंने कहा कि शंकराचार्य का पद सनातन परंपरा में सर्वोच्च और अत्यंत सम्मानित माना जाता है, लेकिन हर काम विधि–विधान और मान्यता के अनुसार ही होता है। विद्वत परिषद द्वारा अधिकृत व्यक्ति ही शंकराचार्य बन सकता है, "हर कोई स्वयं को शंकराचार्य नहीं लिख सकता है।"

विधान सभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में कहा कि आदि शंकराचार्य ने देश के चारों दिशाओं में चार पीठों की स्थापना कर परंपरा को संस्थागत स्वरूप दिया है। उत्तर में ज्योतिष पीठ की स्थापना, दक्षिण में श्रृंगेरी, पूरब में जगन्नाथपुरी, पश्चिम में द्वारिकापुरी।

चार पीठों के चार वेद ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद हैं। पीठ की परंपरा आज भी विद्वत परिषद और स्थापित मानकों के आधार पर संचालित होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन स्वयं नियमों और परंपराओं से चलता है और कानून सबके लिए समान है। "मुख्यमंत्री का पद भी कानून से ऊपर नहीं है। हम सभी संवैधानिक व्यवस्था से जुड़े हैं और उसका पालन करना जानते भी हैं और करवाना भी जानते हैं।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि माघ मेले में मौनी अमावस्या के दिन 4.50 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे थे। ऐसे में किसी भी व्यक्ति द्वारा निकास द्वार से प्रवेश का प्रयास श्रद्धालुओं के जीवन को खतरे में डाल सकता था और भगदड़ की स्थिति पैदा हो सकती थी। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि "कोई जिम्मेदार व्यक्ति ऐसा आचरण कैसे कर सकता है?" मुख्यमंत्री ने सपा पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि संबंधित व्यक्ति वास्तव में शंकराचार्य थे, तो वाराणसी में उन पर लाठीचार्ज और एफआइआर आप लोगों ने क्यों दर्ज कराई थी? आप नैतिकता की बात करते हैं? आपको पूजना है तो पूजें, लेकिन हम लोग मर्यादित लोग हैं, कानून का शासन पर विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर और लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर से जुड़े प्रकरण में भी सपा ने भ्रम फैलाने का काम किया है। उन्होंने विपक्ष से कहा, "लोगों को गुमराह करने के बजाय देश के बारे में सोचना शुरू कीजिए।"

आस्था और विकास साथ–साथ

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सपा ने राम मंदिर अयोध्या, काशी विश्वनाथ धाम और मथुरा–वृंदावन के विकास का विरोध किया। सपा सरकार में जन्माष्टमी जैसे पर्वों के आयोजन पर रोक लगाई गई, कांवड़ यात्रा बाधित की गई और अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा रोकी गई। उन्होंने कहा कि "सनातन आस्था को कोई कैद नहीं कर सकता।" प्रदेश के पुनर्जागरण माडल में आस्था और विकास दोनों शामिल हैं। दीपोत्सव और रंगोत्सव जैसे आयोजनों से करोड़ों लोग जुड़ रहे हैं और इससे प्रदेश की जीडीपी में भी वृद्धि हुई है।

आधार में जन्मतिथि बदलने के नियमों में होगा बदलाव

अलग–अलग जन्म प्रमाण दिखाकर नहीं होगा अपडेट

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में आधार अपडेट कराने के नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। यह बदलाव जन्मतिथि को लेकर हुआ है। कई लोग उम्र कम दिखाने के लिए आधार में जन्मतिथि बदलवाते हैं। इसमें अलग–अलग जन्म प्रमाणपत्रों को इस्तेमाल किया जाता है। मतलब पहला वाला प्रमाणपत्र निरस्त करवा दूसरा बनवा लिया जाता है।

उसके आधार पर आसानी से जन्मतिथि बदलवा ली जाती है लेकिन अब ये हेरफेर नहीं हो सकेगा। इसके लिए नियम को बदलकर सख्त कर दिया गया है।

दरअसल जो जन्म प्रमाणपत्र बनते हैं उनमें विशेष जन्म पंजीकरण संख्या दर्ज होती है। अब जो भी आधार कार्डधारक जन्मतिथि बदलवाना चाहेगा तो उसको पहले वाले जन्म प्रमाणपत्र में ही सुधार करवाना होगा। मतलब प्रमाणपत्र की जन्म पंजीकरण संख्या पहले वाली ही होनी चाहिए। अगर कोई आवेदक नई जन्मतिथि का नया प्रमाणपत्र बनवाकर लगाएगा तो ये स्वीकार नहीं किया जाएगा। यानी पहले जन्मतिथि दर्ज थी, वही रहेगी।

आधार कार्ड सेंटर

कुछ लोग नौकरी में अधिक मौके के लिए जन्मतिथि में बदलाव करवाते हैं। विभिन्न खेलों से जुड़े कुछ खिलाड़ी भी इस तरह जन्मतिथि में बदलाव करवाते रहते हैं। इसके अलावा कुछ ऐसे हैं जो एक से अधिक बार हाईस्कूल की परीक्षा देते हैं तो वह भी जन्मतिथि बदलते हैं। अब जो नियम बना, उसके तहत ये खेल नहीं हो पाएगा। जो भी ऐसा करेगा, वह पकड़ा जाएगा।

80 फीसदी संशोधन जन्मतिथि का

आधार अपडेट करवाने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों से लेकर केंद्रों पर भारी भीड़ लगी रहती है। आंकड़ों से पता चलता है कि करीब 80 फीसदी लोग आधार में जन्मतिथि बदलवाने आते हैं। हेरफेर न हो इसके लिए पहले ही नियम बना था कि एक से अधिक बार खुद से जन्मतिथि नहीं बदलवा सकते हैं। एक से अधिक बार के लिए क्षेत्रीय कार्यालय जाना होता है।

पीएम मोदी और उपराष्ट्रपति ने बलिदानी वीर जवानों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने 2019 के पुलवामा हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों को श्रद्धांजलि दी। तीनों नेताओं ने बलिदानी वीर जवानों के अदम्य साहस को याद किया। आइए जानते हैं किसने क्या कहा? यय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 2019 में जम्मू और कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले में बलिदान हुए सीआरपीएफ कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि उनके अदम्य साहस और बलिदान से हर भारतीय को ताकत मिलती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 2019 में पुलवामा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को याद कर रहा हूं। उनकी देशभक्ति, दृढ़ संकल्प और सेवा सदैव हमारी सामूहिक स्मृति में अंकित रहेगी। हर भारतीय को उनकी हिम्मत से ताकत मिलती है।

राहुल गांधी ने बलिदानी वीर जवानों को दी श्रद्धांजलि

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 2019 में पुलवामा आतंकवादी हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके साहस और वीरता को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पुलवामा में 2019 के दुस्साहसी आतंकी हमले में शहीद हुए हमारे वीर जवानों को मेरी भावपूर्ण श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा कि भारत माता की रक्षा में उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए देश सदैव उनका ऋणी रहेगा।

सम्पादकीय

नए युग की ओर बांग्लादेश राजनीतिक संरचना में व्यापक बदलाव के संकेत

जुलाई 2024 आंदोलन के बाद अवामी लीग सत्ता से बाहर।

बीएनपी की जीत, तारिक रहमान के नेतृत्व में नया युग।

जमात-ए-इस्लामी का उभार, क्षेत्रीय कूटनीति में बदलाव।

बांग्लादेश की जनता ने परिवर्तन को चुना है, उथल–पुथल को नहीं। इस राजनीतिक संक्रमण की सफलता इस पर निर्भर करेगी कि नई सरकार लोकतांत्रिक गरिमा, आर्थिक समृद्धि और सामाजिक सद्भाव को किस हद तक सुनिश्चित कर पाती है। बांग्लादेश का आम चुनाव उसके राजनीतिक इतिहास के सबसे निर्णायक मोड़ में से एक माना जाएगा। जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन, जिसने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़ने पर मजबूर कर दिया और लंबे समय से प्रभावी रही उनकी पार्टी अवामी लीग के प्रभुत्व का अंत किया, के बाद यह पहला आम चुनाव था। इस चुनाव ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को स्पष्ट जनादेश दिया।

पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने की संभावना के साथ बांग्लादेश एक नए राजनीतिक युग की ओर बढ़ रहा है, जो पीढ़ीगत परिवर्तन, वैचारिक पुनर्संतुलन और क्षेत्रीय कूटनीतिक समीकरणों से प्रभावित होगा। यह चुनाव केवल अंतरिम सरकार को बदलने की प्रक्रिया नहीं था, जिसका नेतृत्व नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद युनूस कर रहे थे। यह उस गहरे राजनीतिक संकट के बाद देश की दिशा तय करने का प्रयास था, जिसने 2024 में पूरे राष्ट्र को झकझोर दिया।

जुलाई 2024 का आंदोलन शुरुआत में सरकारी नौकरियों में आरक्षण नीति के विरोध से शुरू हुआ था, पर जल्द ही यह व्यापक असंतोष का रूप ले बैठा। सैकड़ों लोगों की मौत ने सरकार की वैधता को गंभीर रूप से प्रभावित किया और अंततः सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया। अंतरिम सरकार ने लोकतांत्रिक पुनर्स्थापना और संस्थागत सुधारों का वादा किया और इसी क्रम में 13वां संसदीय चुनाव और संवैधानिक सुधारों पर जनमत संग्रह आयोजित किया गया। इसका परिणाम न केवल सत्ता परिवर्तन है, बल्कि राजनीतिक संरचना में व्यापक बदलाव का संकेत भी है।

इस चुनाव की सबसे बड़ी विशेषता अवामी लीग की अनुपस्थिति रही। विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित अपराधों के आधार पर उसे चुनाव लड़ने से रोक दिया गया, लेकिन उसकी अनुपस्थिति ने दशकों से चली आ रही द्विदलीय प्रतिस्पर्धा को समाप्त कर दिया और चुनावों की निष्पक्षता पर सवाल भी खड़े किए। 1990 के बाद से बांग्लादेश की राजनीति अवामी लीग और बीएनपी के बीच घूमती रही। बीएनपी की जीत उसके लिए पुनरुत्थान और परीक्षा, दोनों है। वर्षों तक विपक्ष में रहने और आंतरिक चुनौतियों से जूझने के बाद पार्टी ने नई ऊर्जा के साथ वापसी की है।

तारिक रहमान का नेतृत्व एक पीढ़ीगत बदलाव का प्रतीक है। यह परिवर्तन केवल अंतरिम प्रशासन से सत्ता हस्तांतरण नहीं है, बल्कि उनकी मां एवं पूर्व पीएम खालिदा जिया और शेख हसीना के युग से आगे बढ़ने का संकेत भी है। हालांकि बांग्लादेश में वंशवादी राजनीति का प्रभाव बना हुआ है, फिर भी रहमान ने अपने चुनाव अभियान में अपेक्षाकृत संयमित और व्यावहारिक रुख अपनाया। उन्होंने कानून–व्यवस्था, आर्थिक सुधार और युवाओं के लिए रोजगार पर जोर दिया। भारत के प्रति उनका रुख नरम रहा, जो भविष्य की कूटनीतिक संभावनाओं का संकेत देता है।

अपनी मां के निधन के कारण विजय उत्सव स्थगित करने का उनका निर्णय राजनीतिक परिपक्वता का संदेश देता है। चुनाव का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू जमात–ए–इस्लामी का उभार है। वह मुख्य विपक्षी शक्ति के रूप में उभरी है। उसका प्रदर्शन यह दर्शाता है कि बांग्लादेश की राजनीति में राजनीतिक इस्लाम की उपस्थिति अब भी प्रभावशाली है। हालांकि वह सत्ता में नहीं पहुंची, लेकिन उसकी सीटों में वृद्धि महत्व रखती है। उसका उभार देश के पंथनिरपेक्ष तबकों और पड़ोसी देशों में चिंता का विषय रहेगा।

2024 के आंदोलन से उभरी छात्रों की पार्टी नेशनल सिटीजन पार्टी अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सकी। क्रांतिकारी ऊर्जा को संगठित राजनीतिक शक्ति में बदलना आसान नहीं होता और यही उसके साथ हुआ। जमात–ए–इस्लामी के साथ उसका गठबंधन उसके समर्थकों के बीच असमंजस का कारण बना। यह अनुभव दर्शाता है कि जनांदोलन से निकली ताकतों को संस्थागत राजनीति में टिके रहने के लिए मजबूत संगठन और संसाधनों की आवश्यकता होती है।

इस चुनाव ने सामाजिक चुनौतियों को भी उजागर किया। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सीमित रही, जबकि 2024 के आंदोलन में उनकी भूमिका उल्लेखनीय थी। आर्थिक मोर्चे पर नई सरकार के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था निर्यात, विशेषकर परिधान उद्योग पर निर्भर है। राजनीतिक अस्थिरता ने निवेशकों के विश्वास को प्रभावित किया है। जुलाई राष्ट्रीय चार्टर के तहत प्रस्तावित संवैधानिक सुधार यह तय करेंगे कि कार्यपालिका की शक्ति सीमित होगी या नहीं?

भारत के लिए बांग्लादेश केवल पड़ोसी नहीं, रणनीतिक साझेदार है। करीब 4,000 किमी लंबी साझा सीमा, पूर्वोत्तर भारत के लिए संपर्क मार्ग और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे दोनों देशों को जोड़ते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने तारिक रहमान को बधाई देकर यह संकेत दिया है कि भारत व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएगा। हालांकि शेख हसीना की भारत में मौजूदगी कूटनीतिक जटिलता पैदा कर सकती है। चीन भी इस बदलाव पर नजर रखेगा, क्योंकि उसके निवेश और सामरिक हित जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान से हालिया संपर्क भी क्षेत्रीय समीकरणों में नया तत्व जोड़ता है, हालांकि ऐतिहासिक संदर्भ गहरे रणनीतिक बदलाव की संभावना को सीमित करता है। चुनाव नतीजे यह भी दिखाते हैं कि बांग्लादेश वैचारिक ध्रुवीकरण से थक चुका है और स्थिरता तथा आर्थिक प्रगति चाहता है।

विवादों में घिरे रहे हैं लोकसभा अध्यक्ष बिरला

जून 2024 में दूसरी बार लोकसभा स्पीकर चुने जाने के बाद भी ओम बिरला पर आरोप लगा था कि वो विपक्षी सांसदों को बोलने का मौका नहीं दे रहे हैं। तब भी ओम बिरला पर ये आरोप विपक्षी दल लगाते रहे हैं कि वो सत्ता के इशारे पर काम करते हैं जबकि स्पीकर का पद संवैधानिक पद है। जून 2024 में ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जब नीट परीक्षाओं के मुद्दे पर बोलने को खड़े हुए तो वो स्पीकर ओम बिरला से माइक देने (ऑन करने) की बात कहते सुनाई दिए। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि जरूरी मुद्दों पर माइक छीनकर युवाओं की आवाज को दबाया जा रहा है। हालांकि ओम बिरला ने कहा कि लोकसभा में माइक बंद नहीं करता हूं, यहां कोई बटन नहीं होता है। ये पहला मौका नहीं है जब विपक्ष और ओम बिरला के बीच तनातनी देखी गई। इससे पहले भी ओम बिरला विवादों में रह चुके हैं।

देश में संसद की गरिमा में गिरावट जारी है। लोकसभा स्पीकर जैसा गरिमामय और संवैधानिक पद विवादास्पद बना हुआ है। लगभग समूचा विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ बांहे चढ़ाए हुए है। बिरला पर विपक्ष लंबे समय से पक्षपात करने का आरोप लगाता आ रहा है। स्पीकर बिरला पर विपक्षी सदस्य लगातार उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन और सत्तापक्ष की खुलेआम पैरवी करने का आरोप लगाते रहे हैं। इस बार भी मुद्दा यही है। विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया है। हालांकि, गणित और इतिहास को देखें तो उन्हें हटाना बेहद मुश्किल है, लेकिन यह कदम आने वाले दिनों में संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कड़वाहट को और बढ़ा सकता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सदन में भाषण होना था। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दावा किया कि उनके आग्रह पर प्रधानमंत्री मोदी सदन में उपस्थित नहीं हुए। ओम बिरला ने कहा कि मेरे पास ऐसी पुख्ता जानकारी आई कि कांग्रेस पार्टी के कई सदस्य प्रधानमंत्री के आसन पर पहुंचकर कोई भी अप्रत्याशित घटना कर सकते थे। अगर यह घटना हो जाती तो यह अत्यंत अप्रिय होता, जो देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को तार–तार कर देती। ओम बिरला के इस दावे पर विपक्ष की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि यह पूरी तरह झूठ है, पीएम को चोट पहुंचाने का सवाल ही नहीं था।

जून 2024 में दूसरी बार लोकसभा स्पीकर चुने जाने के बाद भी ओम बिरला पर आरोप लगा था कि वो विपक्षी सांसदों को बोलने का मौका नहीं दे रहे हैं। तब भी ओम बिरला पर ये आरोप विपक्षी दल लगाते रहे हैं कि वो सत्ता के इशारे पर काम करते हैं जबकि स्पीकर का पद संवैधानिक पद है। जून 2024 में ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जब नीट परीक्षाओं के मुद्दे पर बोलने को खड़े हुए तो वो स्पीकर ओम बिरला से माइक देने (ऑन करने) की बात कहते सुनाई दिए। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि जरूरी मुद्दों पर माइक छीनकर युवाओं की आवाज को दबाया जा रहा है। हालांकि ओम बिरला ने कहा कि लोकसभा में माइक बंद नहीं करता हूं, यहां कोई बटन नहीं होता है। ये पहला मौका नहीं है जब विपक्ष और ओम बिरला के बीच तनातनी देखी गई। इससे पहले भी ओम बिरला विवादों में रह चुके हैं और उन पर विपक्ष सत्ता पक्ष की तरफ झुके रहने का आरोप लगा चुका है। संसद के शीतकालीन सत्र 2023 के दौरान 141 सांसदों को निलंबित किया गया था। इनमें 95 लोकसभा और 46 राज्यसभा सांसद शामिल थे। इससे पहले इतनी बड़ी संख्या में सांसदों का निलंबन नहीं हुआ था। इस निलंबन को अभूतपूर्व कहा गया था। इससे पहले 15 मार्च, 1989 को लोकसभा से 63 सांसदों को निकाला गया था। संसद में सुरक्षा चूक को लेकर सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे थे, जिसके बाद निलंबन की कार्रवाई की गई थी। भारतीय संविधान में स्पीकर के पद को बहुत सुरक्षित रखा गया है ताकि वे बिना किसी डर या पक्षपात के काम कर सकें। अनुच्छेद 94 के तहत उन्हें हटाने की प्रक्रिया कुछ इस प्रकार है। प्रस्ताव लाने से कम से कम 14 दिन पहले इसकी लिखित सूचना देनी होती है। स्पीकर को हटाने के लिए सदन के तत्कालीन कुल सदस्यों के बहुमत की आवश्यकता होती है।

अर्थात उस समय जितने सदस्य पद पर हैं, उनमें से 50 फीसदी से अधिक का समर्थन जरूरी है। जब प्रस्ताव पर चर्चा होती है, तब स्पीकर सदन की अध्यक्षता नहीं कर सकते, हालांकि वे सदन में मौजूद रह सकते हैं और वोट डाल सकते हैं।

संविधान के अनुच्छेद 96 के तहत अध्यक्ष को अपना बचाव करने का भी अधिकार दिया गया है। आजाद भारत के इतिहास में ऐसे मौके बहुत कम आए हैं, जब लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया हो, लेकिन जब भी लाया गया तब विपक्ष ने संसदीय राजनीति को हिलाकर रख दिया। भारत के पहले लोकसभा स्पीकर जीवी मावलंकर के खिलाफ 18 दिसंबर 1954 को पहला अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। इसे विग्नेश्वर मिश्रा और अन्य विपक्षी नेताओं ने पेश किया था। उस समय नेहरू युग था और विपक्ष का तर्क था कि स्पीकर सरकार के प्रभाव में काम कर रहे हैं। हालांकि, भारी बहस के बाद यह प्रस्ताव गिर गया और मावलंकर अपने पद पर बने रहे। तीसरी लोकसभा के दौरान स्पीकर हुकुम सिंह पर भी पक्षपात के आरोप लगे।

समाजवादी नेता मधु लिमये द्वारा ये प्रस्ताव लाया गया था। वह दौर राजनीतिक रूप से बहुत उथल–पुथल वाला था। विपक्ष ने उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठाए, लेकिन संख्या बल न होने के कारण यह प्रस्ताव भी सफल नहीं हो सका। आठवीं लोकसभा के दौरान बलराम जाखड़ के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाने की कोशिश हुई। इसे सीपीएम के सांसद सोमनाथ चटर्जी ने पेश किया था। उस समय बोफोर्स जैसे मुद्दों पर सदन में भारी गतिरोध था। लेकिन कांग्रेस के पास भारी बहुमत होने के कारण विपक्ष का यह प्रयास महज एक प्रतीकात्मक विरोध बनकर रह गया। अक्सर विपक्ष ऐसे प्रस्ताव केवल अपनी नाराजगी दर्ज कराने और जनता का ध्यान खींचने के लिए लाता है। स्पीकर हमेशा सत्ता पक्ष या गठबंधन का होता है जिसके पास बहुमत होता है।

जब तक सरकार के पास नंबर हैं, स्पीकर को हटाना नामुमकिन जैसा है। यह भी दुखद है कि लोकसभा स्पीकर को लेकर ब्रिटेन जैसी अच्छी परंपराओं का विकास भारत में नहीं हो पाया है। ब्रिटेन में जब कोई व्यक्ति कॉमन हाउस का स्पीकर चुना जाता है, तो वह अपनी पार्टी से इस्तीफा दे देता है। दूसरी परंपरा यह है कि ऐसे व्यक्ति को बार–बार स्पीकर चुना जाता है। स्पीकर के रूप में, तीसरी बात, वह सत्ता पक्ष तथा विपक्ष, दोनों का प्रतिनिधि माना जाता है। प्रायः ऐसे व्यक्ति को स्पीकर बनाया जाता है, जो निष्पक्षता के लिए उल्लेखनीय माना जाता है। इन्हीं कारणों से ब्रिटेन में संसदीय शासन प्रणाली सफल मानी जाती है। हमने वहां से संसदीय प्रणाली तो ले ली, मगर वहां की अच्छी परंपराओं का अनुकरण नहीं किया। अगर भारत में भी यही परंपराएं विकसित हो जाएं, या इस संबंध में नियम–कानून बना दिए जाएं, तो निश्चित रूप से यह पद विवाद का विषय नहीं रहेगा, और संसदीय प्रणाली भारत में भी सफल हो सकती है। ऐसी स्थिति में स्पीकर को लेकर विपक्ष की शिकायतें भी कम हो जाएंगी।

देव संस्कृति के आलोक में

मंडी शहर पुनः शिवरात्रि की चहलकदमी में अपने सांस्कृतिक महत्त्व की प्रस्तुति दे रहा है। देव संस्कृति की परंपराओं में विराजित विश्वास सारे माहौल को रुहानियत से जोड़ देगा और तब परंपराओं के दर्पण में यह शहर अपनी संस्कृति की फेहरिस्त पर हस्ताक्षर करता दिखेगा। इस अद्भुत नजारे से असली हासिल है क्या और यह उत्सव साल भर के दर्शन में आखिर मंडी के भरोसे क्या छोड़ जाता। शिवरात्रि चार दिन की चांदनी नहीं, मंदिरों के शहर का वर्ष भर का उजाला क्यों न बने। हर देवता के पीछे अगर एक इतिहास चलता है, तो आस्था के ये पुंज निरंतर प्रदर्शित होने चाहिएं। देव संस्कृति के आलोक में शिवरात्रि का महत्त्व इसके हर पहलू की जानकारी है, तो मंडी विश्वविद्यालय में देव संस्कृति की खंडपीठ स्थापित होनी चाहिए। शहर में एक ऐसे कला–संस्कृति केंद्र की जरूरत है, जहां एक शाखा में अध्ययन की परिपाटी हो, तो दूसरी ओर कला संग्रह के माध्यम से देव संस्कृति की जीवंतता, पृष्ठभूमि में उपजता बोध तथा वाद्य यंत्रों के मार्फत गूंजती कला का स्थायी प्रदर्शन हो। कुछ इसी परिप्रेक्ष्य में मंडी की पृष्ठभूमि में काशी का उद्घोष अगर हर दिन सुनाना है, तो एक व्यापक योजना की जरूरत है। बेहद दुख की बात है कि मंडी का विस्तार शहर की मानसिकता में ही होता रहा, जबकि यह एक तीर्थ, हिमाचल का धार्मिक हृदय तथा सांस्कृतिक उजास का चेहरा रहा है। गलियों में गूंजते मंदिरों के घंटे अब अतिक्रमण की दीवारों ने रौंद दिए। प्रदक्षिणा की खोज में आस्था के पांव थक जाते हैं। इस मामले में सरकारों की नीतियां भी कम दोषी नहीं। एडीबी के सामर्थ्य में पर्यटन के कंगूरे खड़े करने वालों ने मंडी के धार्मिक व सांस्कृतिक महत्त्व पर क्या किया। क्या सारे मंदिरों का एक सर्किट बना कर हम एलिवेटिड परिक्रमा की शुरुआत नहीं कर सकते। ब्यास के तट पर मंडी शहर का वैभव अगर स्थायी घाट तथा कृत्रिम झील के आधार पर होता, तो शिव की धरती को साल भर पूजा जाता। बेशक महोत्सव की धाक में एक सरकारी आचार संहिता बन गई है। जलेब अब उत्सव और शानो शौकत की तरह पगडियां गिनते हैं, तो राजसी ठाठ में सरकार के ओहदे दिखाई देते हैं। बड़े होते शहर में गिनती के कदम, ये तेरा अनुशासन था कि हम भीड़ से देखें। अब जनता देखती है, त्योहार के साथ चलती नहीं। आएंगे बड़े से बड़े गायक और झूमेंगे उस ताल पर, जो हमारी है ही नहीं। सुना है बड़ा झूला आकाश से दिखाएगा मेला, जहां व्यापार की मोमबत्तियां शहर के बाजार में पिघलेंगी। हमें क्यों लगता है कि सभी मेले एक सरीखे हो गए हैं। सभी के सभी कार्बन कापी। क्या मंडी की शिवरात्रि का गीत–संगीत और हरोली उत्सव का म्यूजिक एक जैसा होना चाहिए। क्यों नहीं हम वृंदावन की परिक्रमा जैसा कोई कोरिडोर या एलिवेटिड परिक्रमा मार्ग बना कर इस स्थान को स्थायी रुतबा प्रदान कर दें।

सीएम सर, मामले में गलत रिपोर्ट लगा दी गई है

योगी बोले– गलत जांच रिपोर्ट लगाने वालों पर दर्ज कराएं FIR

गोरखपुर,संवाददाता। सीएम योगी ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए ये निर्देश प्रशासन व पुलिस के अफसरों को दिए। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी मामले में जांच के दौरान यदि गलत रिपोर्ट लगाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। हर मामले का निष्पक्ष जांच करके ही उसका निस्तारण होना चाहिए। किसी भी प्रकरण में लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य होगी।

सीएम योगी ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए ये निर्देश प्रशासन व पुलिस के अफसरों को दिए। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

सीएम योगी ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे। इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही दो टूक समझाया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। जनता दर्शन में कुछ मामले ऐसे भी आए थे जिनमें यह शिकायत की गई कि प्रकरण में गलत रिपोर्ट लगा दी गई है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पता लगाकर गलत रिपोर्ट लगाने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मदद में शिथिलता या लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की हीलाहवाली हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है। किसी पीड़ित की समस्या के समाधान में अगर कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझकर कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो संबंधित के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया।

हर बार की तरह इस बार भी जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करा दें। इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को प्यार–दुलारकर सीएम योगी ने उन्हें चॉकलेट दिया और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मंदिर की गोशाला में सीएम ने की गोसेवा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। मंदिर की गोशाला में पहुंचकर उन्होंने गोसेवा की। गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

पत्नी से अवैध संबंध के शक में हत्या

दो भाइयों ने पकड़ा, पति ने रेता गला शरीर पर मिले बर्बरता के 35 निशान

अभिषेक हत्याकांड

पहले बैठाकर शराब पिलाई फिर आराम से चाकू से गोदा

गोरखपुर,संवाददाता। 18 वर्षीय अभिषेक सिंह की हत्या का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी पति के दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पति पर अपनी पत्नी के साथ अभिषेक के अवैध संबंधों का शक था, जिसके चलते उसने यह खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। गीडा पुलिस ने नौसड़ निवासी अभिषेक सिंह (18) की हत्या के मामले का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को आरोपी दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। मुख्य आरोपी पति फरार है। उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी की पत्नी से अवैध संबंध के शक में वारदात को अंजाम दिया गया था। आरोपी पति नौसड़ चौराहे पर फास्टफूड का ठेला चलाता है। आरोपी सगे भाई वहीं काम करते हैं। पुलिस के मुताबिक वारदात वाले दिन सगे भाइयों ने अभिषेक के हाथ–पैर पकड़ लिए और आरोपी पति ने चाकू से गला रेतने के बाद कई वार करके उसे मार डाला।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शाहपुर के गीता वाटिका पानी की टंकी के पास आवास विकास कॉलोनी निवासी पवन कुमार और विजय के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को दोपहर बाद कोर्ट में पेश किया। वहां से दोनों को जेल भेज दिया गया।

35 जगह किए थे गंभीर वार

नौसड़, पेवनपुर गांव के निवासी अभिषेक सिंह की बीते छह फरवरी की रात हत्या कर दी गई थी। सात फरवरी को खून से लथपथ उसका शव मिलने पर इलाके में सनसनी फैल गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि धारदार हथियार से 35 जगह गंभीर वार किए गए थे। एसपी नार्थ ज्ञानेंद्र ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि शुरुआती दिनों में यह हत्या रंजिश का मामला समझा जा रहा था। जांच आगे बढ़ी तो मामला अवैध संबंध के शक से जुड़ा मिला।

जांच के दौरान पुलिस ने सर्विलांस और सीसीटीवी फुटेज खंगाले। प्रारंभिक फुटेज धुंधले होने और कोहरे के कारण आरोपियों की पहचान मुश्किल थी, लेकिन शराब की दुकान और आसपास के अन्य स्थानों के कैमरों की जांच से अहम सुराग हाथ लगे। पुलिस की जांच में पता चला कि अभिषेक शाहपुर के गीता वाटिका पानी की टंकी के पास आवास विकास कॉलोनी निवासी पवन कुमार और उसके भाई विजय के साथ मुख्य आरोपी की बाइक से शराब खरीदने गया था। पुलिस ने जब दोनों भाइयों से पूछताछ की तो आरोपियों ने हत्या की वारदात कबूल की।

शराब पार्टी में अभिषेक भी शामिल होता था

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि मुख्य आरोपी नौसड़ चौराहे पर फास्टफूड का ठेला लगाता है। दोनों उसी की दुकान पर काम करते हैं। वे लोग अक्सर दुकान बंद करने के बाद एक साथ शराब पार्टी करते थे। उसमें अभिषेक भी शामिल होता था।

हिंसक बना बेटा बारात में जाने लिए मांगी बाइक...

इंकार किया तो पिता-बड़े भाई पर ब्लेड से कर दिया खूनी हमला

गोरखपुर,संवाददाता। रविन्द्र निषाद (56) राजगीर का काम करते हैं। उनका बेटा विशाल निषाद पेंट–पॉलिश का काम करता है। बुधवार रात गांव में एक व्यक्ति की बारात में जाने के लिए विशाल ने पिता से बाइक मांगी थी। पिता द्वारा बाइक देने से इनकार करने पर वह नाराज हो गया। गुरुवार को मौका मिलते ही उसने पहले अपने पिता रविन्द्र निषाद और फिर भाई विनय निषाद पर ब्लेड से गले पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। सहजनवा थाना क्षेत्र के महुआ गांव में गुरुवार को पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। बारात जाने के लिए बाइक न मिलने से नाराज युवक ने अपने ही पिता और भाई पर ब्लेड से हमला कर दिया। घटना में पिता की गर्दन पर गंभीर चोट आई है, जबकि दूसरा भाई भी घायल हो गया। खून देखकर एक अन्य भाई बेहोश हो गया। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार महुआ गांव निवासी रविन्द्र निषाद (56) राजगीर का काम करते हैं। उनका बेटा विशाल निषाद पेंट–पॉलिश का काम करता है। बुधवार रात गांव में एक व्यक्ति की बारात में जाने के लिए विशाल ने पिता से बाइक मांगी थी। पिता द्वारा बाइक देने से इनकार करने पर वह नाराज हो गया। परिजनों के मुताबिक, विशाल ने उसी रात एक ब्लेड खरीदकर रख लिया। गुरुवार को मौका मिलते ही उसने पहले अपने पिता रविन्द्र निषाद और फिर भाई विनय निषाद पर ब्लेड से गले पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। हमले में रविन्द्र की गर्दन पर गंभीर चोट आई है, जबकि विनय भी जख्मी हो गया। घटना के दौरान मौजूद एक अन्य भाई खून देखकर बेहोश हो गया।

12 लाख की ठगी का आरोप पूर्व विधायक पर केस दर्ज

हाउसिंग सोसाइटी के निदेशक समेत दो गिरफ्तार

गोरखपुर,संवाददाता। गीडा थाना क्षेत्र के पेवनपुर छपिया निवासी राममिलन मौर्य से 12 लाख रुपये की ठगी के मामले में कैंट पुलिस ने बृहस्पतिवार रात को क्षेत्र से टाइम सिटी मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के निदेशक समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस प्रकरण में पीड़ित ने कंपनी के चेयरमैन बस्ती के कप्तानगंज के पूर्व विधायक समेत कुल 14 आरोपियों के खिलाफ कैंट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पकड़े गए आरोपियों की पहचान लखनऊ के गोयल इन्क्लेव चिनहट निवासी टाइम सिटी मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड के निदेशक अरविंद कुमार पांडेय और वासुदेवनगर चिनहट निवासी बृजेश शुक्ला है। बृजेश मूलरूप से सुल्तानपुर के कादीपुर बाबू का पूरा का रहने वाला है। राममिलन मौर्य ने बताया कि वर्ष 2010 में कंपनी और उससे जुड़ी संस्थाओं टाइम सिटी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड हाउसिंग लिमिटेड, रुपेश महेश्वरी एंड कंपनी व मिवान इंडस्ट्रीज के जरिये भूखंड बिक्री और विभिन्न डिपॉजिट योजनाएं चलाई गईं। कंपनी का मुख्यालय जानकीपुरम, लखनऊ और शाखा कार्यालय गोरखपुर के कैंट थाना क्षेत्र स्थित कबाड़ी मार्केट, कालेपुर में संचालित था।

उन्होंने बताया कि कंपनी के चेयरमैन और कप्तानगंज के पूर्व विधायक चंद्रप्रकाश शुक्ला, दीपचंद शुक्ला व अन्य निदेशकों ने आरबीआई लाइसेंस और जमीन से संबंधित कथित फर्जी व फर्जी दस्तावेज दिखाकर निवेशकों को भरोसे में लिया। फिक्स डिपॉजिट, रेकरिंग डिपॉजिट और डेली डिपॉजिट योजनाओं के तहत छह वर्ष में रकम दोगुनी करने अथवा दोगुनी कीमत के विकसित भूखंड की रजिस्ट्री करने का वादा किया गया। पीड़ित का यह भी आरोप है कि कंपनी की जमा धनराशि को परिवार के सदस्यों के नाम फर्जी वाउचर तैयार कर नकद और बैंक खातों में ट्रांसफर कर गबन किया गया। गोरखपुर में सहयोगियों के नाम से जमीन खरीदने की बात भी सामने आई है। पीड़ित का कहना है कि जब उन्होंने अपने रुपये और प्लॉट की रजिस्ट्री की मांग की तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले में चेयरमैन समेत कंपनी के 14 अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश कर रही थी। इसमें पुलिस ने दो आरोपियों को बृहस्पतिवार रात गिरफ्तार कर लिया। भागे अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। नामजद अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगेः योगेंद्र सिंह, सीओ कैंट

इनको बनाया गया है आरोपी

पूर्व विधायक व कंपनी के चेयरमैन चंद्र प्रकाश शुक्ला, दीपचंद्र शुक्ला, निदेशक गुलाब चंद्र मौर्या, तृप्ति तिवारी, अरविंद कुमार पांडेय, गुलाम मुर्तजा, संतोष कुमार अग्रहरी, गौरव कन्नौजिया, जितेंद्र कुमार, विनय व कर्मचारी सत्यावती, मिथिलेश, रमेश चंद्र यादव, बृजेश शुक्ला समेत अन्य लोग आरोपी बनाए गए हैं।

प्रेमिका के साथ घर से भागा बेटा, नाले में मिली पिता की लाश

गोरखपुर,संवाददाता। पुलिस ने शव की पहचान 50 वर्षीय राजाराम के रूप में की, जो जंगल डुमरी नंबर एक के नारायण टोला के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी भिजवा दिया है। गोरखपुर के गुलरिहा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक अधेड का शव नाले में मिलने से सनसनी फैल गई। चित्रकूट टोला के पास चौरहिया नाला में उतराता हुआ शव दिखाई देने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले ही बुजुर्ग का बेटा मोहल्ले में रहने वाली प्रेमिका को लेकर भाग गया था।

पुलिस ने शव की पहचान 50 वर्षीय राजाराम के रूप में की, जो जंगल डुमरी नंबर एक के नारायण टोला के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी भिजवा दिया है। दोपहर बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। बताया जा रहा है कि राजाराम का घर घटनास्थल से करीब 500 मीटर की दूरी पर है। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है।

पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, राजाराम मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करते थे। उनकी चार बेटियां और दो बेटे हैं। बताया जा रहा है कि उनका एक बेटा गुलरिहा इलाके की ही एक युवती को लेकर भाग गया है। इस घटना के बाद से परिवार पर युवती के घरवालों का दबाव बताया जा रहा था। इसी कारण राजाराम अपने पूरे परिवार के साथ घर में ताला लगाकर कहीं चले गए थे। पिछले 24 घंटे से घर पर ताला लटका हुआ था, जिसे लेकर मोहल्ले में तरह–तरह की चर्चाएं चल रही थीं।

यूपी कैबिनेट का बड़ा फैसला

इस एक्सप्रेसवे के निर्माण को मिली मंजूरी, पर्यटन के तेजी से विकास में मिलेगी मदद

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। कैबिनेट ने चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण को हरी झंडी दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित मंत्री परिषद की बैठक में 04 लेन (06 लेन विस्तारणीय) प्रवेश नियंत्रित ग्रीन फील्ड चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना के ईपीसी पद्धति पर क्रियान्वयन के लिए निर्माणकर्ता के चयन सम्बंधी तैयार किए गए अन्तिमीकृत आरएफपी अभिलेख पर मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। जिसके निर्माण से जनपद चित्रकूट में पर्यटन के विकास को तीव्र गति मिलेगी। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना के विकास के लिए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज इण्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) को प्राधिकृत करते हुए नोडल एजेंसी नामित किया गया है।

चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे जनपद चित्रकूट के भरतकूप से प्रारम्भहोकर राष्ट्रीय मार्ग 135 बीजी पर जनपद चित्रकूट में ग्राम अहमदगंज तक किया जाएगा।

जिसकी कुल लम्बाई 15.172 किलोमीटर होगी। जिसके लिए 513.97 करोड़ रूपए की धनराशि निर्धारित की गई है। मंत्री परिषद की स्वीकृति के पश्चात निर्माणकर्ता के चयन के लिए ग्लोबल बिड आमंत्रित किए जाएंगे।

चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण होने से पर्यटन क्षेत्र में विकास तीव्र गति से होगा एवं सुदूर क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों को सुगम एवं तीव्र यातायात सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। बुन्देलखण्ड के प्रारम्भिक बिन्दू से चित्रकूट धाम तक एक्सप्रेसवे का निर्माण हो जाने से पर्यटन क्षेत्र में विकास तीव्र गति से होगा।

लखीमपुर में बलरामपुर चीनी मिल्स करेगा 2850 करोड़ का निवेश

लखीमपुर में बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड 2850 करोड़ से औद्योगिक इकाई लगाएगी। कैबिनेट ने इस संबंध में लेटर ऑफ कम्फर्ट को मंजूरी दे दी। प्रदेश में बायो प्लास्टिक उद्योग को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश बायो प्लास्टिक उद्योग नीति लागू की गई थी। इसी नीति के तहत एलओसी जारी की गई है।

कैबिनेट में यूपीसीडा, लखनऊ मेट्रो रेलपरियोजना, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा विकास एवं संपत्तियों का आवंटन, सार्वजनिक उद्यम विभाग की सीएजी रिपोर्ट विधानसभा पटल में रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

कानपुर लैंबर्गिनी केस: तंबाकू कारोबारी का बेटे शिवम मिश्रा गिरफ्तार

कानपुर,संवाददाता। कानपुर में लैंबोर्गिनी कांड में पुलिस ने चार दिन के बाद कारोबारी के बेटे और मुख्य आरोपी शिवम मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। शिवम को पुलिस ने उसके घर से पकड़ा। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में हुए लैंबॉर्गिनी केस में आरोपी तंबाकू कारोबारी के बेटे शिवम मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस हफ्ते की शुरुआत में टप्रोड पर हुए हाई–प्रोफाइल लैंबॉर्गिनी हादसे के मामले में आरोपी शिवम को गिरफ्तार किया है, हादसे में कई लोग घायल हो गए थे।

पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि 35 साल के आरोपी को मेडिकल परीक्षण के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। 10 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की एक लैंबॉर्गिनी रेवुएल्टो ने रविवार दोपहर करीब तीन बजे ग्वालटोली इलाके में पैदल चलने वालों और गाड़ियों को टक्कर मार दी थी। हादसे में घायल हुए 18 साल के ई–रिक्शा ड्राइवर मोहम्मद तौफीक ने मामले में शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि, आरोपी के वकील ने बाद में दावा किया कि तौफीक कानूनी कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं था। इस मामले में नया मोड़ तब आया जब मोहन नाम के एक आदमी ने खुद को कार का ड्राइवर बताते हुए कहा कि एक्सीडेंट के समय शिवम मिश्रा नहीं, बल्कि वह कार चला रहा था। हालांकि, पुलिस ने इस दावे को खारिज कर दिया और कहा कि जांच के दौरान मिले सबूतों से यह साफ हो गया है कि जब कार ने बिज़ी रोड पर पैदल चलने वालों और दूसरी गाड़ियों को टक्कर मारी, तो शिवम मिश्रा ही कार चला रहा था।

ये था पूरा मामला

कानपुर में वीआईपी रोड पर रविवार दोपहर तंबाकू कारोबारी के बेटे ने अपनी लैंबोर्गिनी कार से फर्राटा भरते समय ऑटो, बुलेट में टक्कर मार दी। इसके बाद खुद भी बेकाबू होकर कार फुटपाथ पर चढ़ गई। कार की चपेट में आने से वाहन सवारों समेत चार लोग घायल हो गए। लोगों ने कार को घेर लिया तभी लैंबोर्गिनी के पीछे चल रही कार से आए बाउंसरों ने लोगों को धक्कामुक्की कर हटाया। कार का शीशा तोड़कर चालक को बाहर निकालने के बाद निजी अस्पताल भेजा। चालक को दौरा आने के कारण हादसा होने का दावा किया जा रहा है। आर्यनगर निवासी केके मिश्रा तंबाकू के बड़े कारोबारी हैं। उनके बेटे शिवम रविवार दोपहर अपनी लैंबोर्गिनी कार से ग्रीन पार्क की ओर जा रहे थे। अचानक रिंग वाले चौराहे के पास कार बेकाबू हो गई। सड़क किनारे खड़ी ऑटो, बुलेट में टक्कर मारने के बाद फुटपाथ पर चढ़ गई।

समय से पहले गर्मी की दस्तक

बांदा में पारा 30 के पार, प्रयागराज–वाराणसी सहित ये जिले रहे सबसे गर्म

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मौसम में सुबह से शाम के बीच अलग–अलग रंग देखने को मिल रहा है। जहां सुबह–शाम हल्की ठंड महसूस हो रही है, वहीं दिन की तेज धूप अब चुभने लगी है। बांदा प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वाराणसी में पारा 29.6 डिग्री और प्रयागराज में 29.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दोपहर की धूप में लोगों को अब गर्मी का एहसास होने लगा है। इस तरह मौसम ने साफ संकेत दे दिए हैं कि सर्दी की पकड़ ढीली पड़ रही है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार के अनुसार, पछुआ हवा के कमजोर पड़ने और तेज धूप के कारण आने वाले दिनों में दिन के तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, रात के तापमान में अभी बहुत बड़ा बदलाव नहीं दिख रहा है, जिससे सुबह–शाम हल्की ठंड बनी हुई है।

फरवरी में हुआ अप्रैल की गर्मी का अहसास

राजधानी में दिन की तेज धूप अब सहन से बाहर होती जा रही है। बुधवार को कुछ लोगों ने ये भी कहा कि इस बार फरवरी में ही अप्रैल वाली गर्मी का अहसास होने लगा है। रात की ठंड भी कमजोर पड़ी है। बहुत से लोग अब पंखा चलाकर सोने लगे हैं। बीते 24 घंटे में राजधानी में 2.1 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ न्यूनतम तापमान में 12.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी प्रकार 0.3 डिग्री की मामूली बढ़त के साथ अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले दो दिन में न्यूनतम तापमान में और थोड़ी बढ़त देखने को मिल सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार के अनुसार पछुआ हवा के कमजोर पड़ने और तेज धूप के कारण आने वाले दिनों में रात के तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। किसी बड़े बदलाव के फिलहाल संकेत नहीं हैं। अगले तीन–चार दिन तक मौसम शुष्क रहेगा।

मुजफ्फरनगर में एनकाउंटर 50 हजार का इनामी ढेर

दो पुलिसकर्मी घायल; एसपी की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी गोली

मुजफ्फरनगर,संवाददाता। बुढ़ाना में पुलिस और बाइक सवार दो बदमाशों के बीच फायरिंग में बदमाश अमजद मारा गया। वहीं दरोगा और सिपाही घायल हो गए। बदमाश अमजद पर मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत, गाजियाबाद, बिजनौर समेत कई जिलों में करीब 40 मुकदमे दर्ज हैं।

यूपी के मुजफ्फरनगर स्थित बुढ़ाना में पुलिस और दो बदमाशों के बीच मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी अमजद मारा गया। दरोगा संदीप और सिपाही अशफाक घायल हुए हैं। एसपी देहात आदित्य बंसल की बुलेटप्रूफ जैकेट में भी गोली लगी है। वहीं बदमाश का साथी फरार हो गया।

एसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि बृहस्पतिवार तड़के करीब तीन बजे बुढ़ाना में थाना बुढ़ाना, थाना तितावी और थाना शाहपुर पुलिस की संयुक्त टीम की बाइक सवार दो बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने बदमाशों को रोकने का इशारा किया तो उन्होंने अचानक फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में 50 हजार रुपये का इनामी शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव हरसोली का रहने वाला अमजद घायल हो गया, जबकि उसका साथी भाग गया। बदमाश से एक पिस्टल और कार्बाइन बरामद हुई है।

घायल अमजद को बुढ़ाना सीएचसी ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। वह अन्तर्राज्यीय स्तर का अपराधी था। उसके विरुद्ध मेरठ, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली, बागपत, गाजियाबाद समेत कई जिलों में हत्या, लूट, चोरी, गैंगस्टर जैसी संगीन धाराओं में लगभग 40 मुकदमे दर्ज हैं।

वह बुढ़ाना कोतवाली में दर्ज लूट के दो मामलों में वांछित चल रहा था। मुठभेड़ में बुढ़ाना कोतवाली के दरोगा संदीप और सिपाही अशफाक घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एसपी देहात आदित्य बंसल की बुलेटप्रूफ जैकेट और उनकी गाड़ी में गोली लगी है। पुलिस ने कुछ जेवर एवं अन्य दस्तावेज भी बदमाश के पास से बरामद किए हैं।

मनीष ने की इस शख्स को अंतिम काल

पत्नी ने भी इनसे की थी आखिरी बार बात चार हत्या और सुसाइड में नया खुलासा

मथुरा,संवाददाता। यूपी के मथुरा में हुए सनसनीखेज हत्याकांड और सुसाइड मामले में नया खुलासा हुआ है। किसान मनीष ने पत्नी और बच्चों की हत्या करने से पहले पुजारी को अंतिम कॉल किया था। जांच में पति–पत्नी के बीच विवाद की बात सामने नहीं आई। मथुरा के खप्परपुर कांड में पत्नी और बच्चों की हत्या करके अपनी जान देने वाले किसान मनीष ने अंतिम बार हवेली वाले मंदिर के पुजारी से बात की थी। इसके पहले इसी मोबाइल से सीमा ने अपनी मां से बातचीत करके मंगलवार को आने की बात कही थी। पुलिस मंदिर के पुजारी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने वारदात के पीछे कारण जानने के लिए मनीष के मोबाइल की सीडीआर निकलवाई। इसमें अंतिम कॉल हवेली वाले मंदिर के पुजारी से की गई थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इसके पहले सादाबाद में सीमा की मां से बात हुई थी। आखिर मनीष ने पुजारी से क्या बातचीत की थी। इसी के चलते पुजारी से पूछताछ की जा रही है। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि पुजारी से पूछताछ की जा रही है।

निखरेगी प्रदेश की राजधानी, जल्द मिलेगी नई विधानसभा मेट्रो के नए फेज में आएगी तेजी

लखनऊ,संवाददाता। आए प्रदेश के बजट में राजधानी लखनऊ का विशेष ख्याल रखा गया है। इस बजट में चिकित्सा, मेट्रो के साथ यूपी स्टार्टअप इन्क्यूबेटर हब पर भी बात की गई है। राजधानी में मेट्रो के दूसरे चरण को रफ्तार देने के लिए प्रदेश सरकार ने बजट में 550 करोड़ रुपये दिए हैं। चारबाग से बसंतकुंज तक ईस्ट–वेस्ट कॉरिडोर के फेज–1बी प्रोजेक्ट के लिए विभिन्न मदों में इस रकम की व्यवस्था की गई है। चारबाग से बसंतकुंज के बीच मेट्रो के दूसरे चरण का निर्माण 5801 करोड़ रुपये से कराया जाएगा। आधी रकम केंद्र व राज्य सरकारों से मिलेगी और बाकी ऋण लिया जाएगा। प्रोजेक्ट के लिए राज्यांश के अतिरिक्त 550 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। अगस्त 2025 में चारबाग से बसंतकुंज तक ईस्ट–वेस्ट कॉरिडोर तक मेट्रो के विस्तार को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिली थी। प्रोजेक्ट के लिए केंद्र सरकार ने अपने अंश के 1450 करोड़ से अधिक का प्रावधान इस बजट में किया है। दूसरे चरण में करीब 12 किमी लंबे रूट पर सात स्टेशन भूमिगत और पांच एलिवेटेड स्टेशन बनाए जाने हैं। यह रूट अमीनाबाद, चौक, यहियागंज, पांडेयगंज, केजीएमयू, इमामबाड़ा और रूमी गेट से होकर गुजरेगा। चारबाग में इंटरचेंज भूमिगत मेट्रो स्टेशन बनाया जाएगा। गौतमबुद्ध मार्ग, अमीनाबाद, पांडेयगंज, सिटी स्टेशन, मेडिकल चौराहा और चौक भूमिगत स्टेशन होंगे। ठाकुरगंज, बालागंज, सरफराजगंज, मूसाबाग और वसंतकुंज एलिवेटेड स्टेशन होंगे।

मेट्रो प्रशासन ने पांचों एलिवेटेड स्टेशनों और एलिवेटेड सेक्शन के साथ बसंतकुंज डिपो से पांच लाइनों की क्षमता वाले 740 मीटर लंबे रैंप निर्माण का 492 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया है। जल्द ही भूमिगत सेक्शन के निर्माण और रोलिंग स्टाक का टेंडर जारी होगा।

कुकरैल क्षेत्र में नाइट सफारी के काम में आएगी तेजी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में शुमार कुकरैल क्षेत्र में नाइट सफारी का काम तय समय पर नहीं शुरू हो सका है। एक वर्ष पहले जारी बजट को वापस करते प्रदेश सरकार ने बजट–2026 में एक करोड़ रुपये की बढ़ोतरी करते हुए 207 करोड़ का बजट जारी किया है। उम्मीद है कि कोर्ट से अनुमति मिलने पर निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। यूपी सरकार ने वर्ष 2022 में कुकरैल नाइट सफारी और एडवेंचर पार्क के नाम से प्रोजेक्ट तैयार किया था। 855 एकड़ में नाइट सफारी बनाने के लिए 1510 करोड़ रुपये की लागत आएगी। पहले चरण के

काम के लिए 631 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं। बीते वर्ष 206 करोड़ रुपये का बजट जारी हुआ था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट से अनुमति न मिलने से काम शुरू नहीं हो सका।

कुकरैल नाइट सफारी के निदेशक रामकुमार ने बताया कि निर्माण कार्य की स्वीकृति के लिए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी थी, जो किसी वजह से नहीं हो सकी। अब अगली सुनवाई का इंतजार है। कोर्ट से अनुमति मिलने पर कार्य जल्द शुरू होगा। 207 करोड़ रुपये के बजट में से नाइट सफारी की बाउंड्री व अन्य शुरुआती कार्य में करीब सात करोड़ रुपये खर्च होंगे। एंट्री प्लाजा, पार्किंग, अस्पताल व अन्य कार्यों पर करीब 200 करोड़ खर्च होंगे। नाइट सफारी में पर्यटक ट्राॅम से रात में बाघ, तेंदुए, भालू और मगरमच्छ जैसे वन्य जीवों को देख सकेंगे। साथ ही एडवेंचर पार्क आकर्षण का केंद्र होगा।

कोर्ट में चल रही है सुनवाई

कुकरैल नाइट सफारी को पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन के आधार पर विकसित किया जाना है। केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति ने वन्य जीव मानकों पर निर्माण कार्य न होने का हवाला दिया है। इसी मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है।

राजधानी में बनेगा यूपी स्टार्टअप इन्क्यूबेटर हब

बजट के दौरान राजधानी में 30 करोड़ रुपये की लागत से यू–हब (यूपी स्टार्टअप इन्क्यूबेटर हब) बनाने का एलान किया गया। इसके साथ ही प्रदेश सरकार ने स्टार्टअप विकास व उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए छह वर्ष पहले किया वादा भी पूरा किया है। यू–हब का मुख्यालय लखनऊ में और दूसरा इन्क्यूबेटर गौतमबुद्धनगर में बनाया जाएगा। प्रदेश सरकार ने देश के पहले स्टार्टअप मिशन निदेशालय के लिए 2.5 करोड़ रुपये की व्यवस्था भी की है। सरकार के एलान से प्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को बूस्टर डोज मिली है। सितंबर 2019 में योगी सरकार ने कार्यक्रम में यूपी एंजेल नेटवर्क के तहत स्टार्टअप को गति देने के लिए इनक्यूबेटर प्रोग्राम को लॉन्च करने का एलान किया था। इसके तहत अब लखनऊ और गौतमबुद्धनगर में यह सिस्टम विकसित किया जाएगा। यू–हब से ऐसे स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा, जिनके पास अच्छा आइडिया है और वह कंपनी बनने का माद्दा रखत हैं। हालांकि, जानकारी के अभाव में बाजार से संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे स्टार्टअप को रजिस्ट्रेशन, मार्केटिंग, विज्ञापन और ग्राहक तक आसान पहुंच की जानकारी देने के साथ उनके उद्यम को बूस्टअप किया जाएगा। विशेषज्ञों का पैनल ऐसे नवाचारों की मदद करेगा।

देश में तीसरे स्थान पर है यूपी

बीएसआईएस के अध्यक्ष विनायक नाथ ने बताया कि स्टार्टअप इकोसिस्टम के मामले में यूपी देश में तीसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र 60 हजार स्टार्टअप के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद कर्नाटक और फिर 40 हजार से ज्यादा स्टार्टअप के साथ उत्तर प्रदेश है। चौथे नंबर पर दिल्ली है।

पहली बार किसी सरकार ने की पहल

भारत स्टार्टअप एंड इनोवेशन सोसाइटी के अध्यक्ष विनायक नाथ का कहना है कि देश में पहली बार किसी सरकार ने स्टार्टअप इन्क्यूबेटर विकसित करने की बात कही है। सामान्य रूप से टेक्निकल यूनिवर्सिटी या निजी क्षेत्रों के इन्क्यूबेटर होते हैं। यूपी सरकार ने गौर किया है कि इतने बड़े प्रदेश में स्टार्टअप की असीम संभावनाएं हैं, जिससे स्टार्टअप इको सिस्टम विकसित किया जा रहा है। प्रदेश को स्टार्टअप इकोसिस्टम में देश में पहले स्थान पर लेकर जाना है।

10 करोड़ की लागत से आईटी पार्क भी मिलेंगे

आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर में प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर आगे ले जाने के लिए लखनऊ जैसे टियर–2 व टियर–3 शहरों में सूचना प्रौद्यौगिकी नीति के अनुसार आईटी पार्क विकसित किए जाएंगे। सरकार ने इसके लिए 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। इन आईटी पार्क से प्रशिक्षित युवाओं को कार्पोरेट सेक्टर में रोजगार मिल सकेगा।

नया विधानभवन बनाने की दिशा में एक और पहल

शासन ने नया विधानभवन बनाने की दिशा में एक और पहल की है। प्रदेश सरकार के बजट में इसके लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। नया विधानभवन गोमतीनगर में सहारा समूह से वापस ली 245 एकड़ जमीन पर बनाने की तैयारी है। इसके लिए एलडीए कंसल्टेंट भी नियुक्त कर रहा है। प्राधिकरण ने करीब 10 महीने पहले सहारा शहर में अपने हिस्से की 75 एकड़ जमीन को कब्जे में लिया था। सितंबर में नगर निगम ने अपने हिस्से की 170 एकड़ जमीन लीज निरस्त करने के बाद कब्जे में ली थी। इस तरह कुल 245 एकड़ जमीन खाली हो गई है। अब इसी पर नया विधानभवन बनाने की तैयारी है। यह जगह लोकेशन और आवागमन के लिहाज से बेहतर है। शासन के निर्देश पर जमीन की पैमाइश रिपोर्ट भेजी जा चुकी है। उच्च स्तर पर यह लगभग तय हो गया है कि सहारा शहर की जमीन पर विधानभवन बनाया जाएगा। कंसल्टेंट ही विधानभवन की डीपीआर और डिजाइन तैयार करेगा।

लीज निरस्त होने के बाद खाली हुई है जमीन

नगर निगम की ओर से आवासीय योजना विकसित करने के लिए सहारा इंडिया हाउसिंग लिमिटेड कंपनी को 1994 में लाइसेंस पर शर्तों के तहत 170 एकड़ जमीन 30 वर्ष की लीज पर दी गई थी। इसमें 130 एकड़ में आवासीय कॉलोनी और 40 एकड़ में ग्रीन बेल्ट विकसित की जानी थी। शर्तों के उल्लंघन पर नगर निगम ने 1997 में लाइसेंस डीड निरस्त करने का नोटिस जारी किया था। लंबे समय तक यह मामला कानूनी विवाद में उलझा रहा। बीते वर्ष लीज के 30 साल पूरे होने पर नगर निगम ने इसे बढ़ाने के बजाय जमीन का कब्जा ले लिया। इसे लेकर कहा गया कि जिन शर्तों पर सहारा को जमीन दी गई, उसने उनका उल्लंघन किया। इस कारण लीज निरस्त की गई।

पीजीआई : बजट में करीब दोगुने का इजाफा होकर पहुंचा 2446 करोड़

संजय गांधी पीजीआई को विश्व स्तर का चिकित्सा संस्थान बनाने के लिए सरकार ने धनवर्षा की है। संस्थान के बजट में करीब दोगुने का इजाफा करते हुए इस वर्ष 2,446 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। बीते साल का बजट 1292 करोड़ रुपये था। बढ़ा हुआ बजट मुख्य रूप से संस्थान को क्वाटर्नरी हेल्थ केयर चिकित्सा केंद्र बनाने के लिए है। संस्थान के निदेशक प्रो. आरके धीमन ने बताया कि संस्थान को 359 करोड़ रुपये निर्माण कार्यों के लिए मिले हैं। निर्माण कार्य और उपकरण व संयंत्र के लिए जो राशि आवंटित की गई है, उसका उपयोग क्वाटर्नरी हेल्थ केयर चिकित्सा केंद्र स्थापित करने में किया जाएगा। क्वाटर्नरी हेल्थ केयर चिकित्सा सेवाओं का सबसे उच्च और विशिष्ट स्तर है। इस पहल के तहत संस्थान में 500 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक समेकित केंद्र में कार्डियक साइंसेज, न्यूरो साइंसेज, रीनल साइंसेज, गैस्ट्रो–इंटेस्टाइनल, हेपैटिक सेवाएं, क्रिटिकल केयर, मैटरनल और फेटल मेडिसिन, ऑन्कोलॉजी, जीन एवं सेल थेरेपी और दुर्लभ बीमारियों की जीनोमिक सेवाओं का विकास किया जाएगा। इनके साथ ही ट्रॉमा सेंटर की सुविधाओं में इजाफा होगा।

एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में गंभीर मरीजों को मिलेगा बेहतर इलाज

पीजीआई का एपेक्स ट्रॉमा सेंटर आने वाले दिनों में गंभीर मरीज और घायलों के इलाज का प्रमुख केंद्र बनने वाला है। सरकार ने एपेक्स ट्रॉमा सेंटर को 100 करोड़ आवंटित किए हैं। अभी तक केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर पर ही घायलों का सबसे ज्यादा बोझ है। एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में सुविधा बढ़ने से मरीजों का बोझ केजीएमयू से कम होगा।

निशुल्क इलाज के लिए दो करोड़ रुपये

संस्थान में गरीबी रेखा से नीचे, विपन्न और लावारिस मरीजों के इलाज के लिए दो करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं। इस राशि से इनका निशुल्क इलाज किया जाएगा। इसके साथ ही संस्थान को वेतन मद में 900 और गैर वेतन मद में 375 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

दोबारा शुरू होगा किफायती उड़ानों का सुहाना सफर

राजधानी से प्रयागराज, बरेली, अजमेर आदि शहरों के लिए किफायती उड़ानें दोबारा शुरू होंगी।

रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (उड़ान) के तहत संचालित होने वाली फ्लाइटों का किराया ढाई हजार रुपये के करीब होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम लोगों की सुविधा के लिए उड़ान स्कीम का शुभारंभ किया था। इसका उद्देश्य सस्ती उड़ानें उपलब्ध कराना था। कई रूटों पर विमान सेवाएं शुरू की गईं। इनमें एटीआर श्रेणी का 80 सीटर विमान इस्तेमाल हो रहा था, लेकिन विमानन कंपनियों ने धीरे–धीरे सस्ती सेवाओं को बंद कर दिया। अब प्रदेश सरकार ने इसके लिए बजट में प्रावधान किया है। इससे रनवे निर्माण सहित उड़ान स्कीम के काम कराए जाएंगे। इससे उम्मीद जताई जा रही है कि लखनऊ से एक बार फिर सस्ती उड़ानों का सफर जल्द शुरू होगा।

सात प्रवेश द्वारों के साथ भविष्य का शहर बनेगा लखनऊ

लखनऊ,संवाददाता। यूपी सरकार ने पेश किए गए बजट में लखनऊ के सजाने संवारने के साथ ही भविष्य के लिए तैयार करने के लिए कई योजनाओं के लिए धन का आवंटन किया। शहर यहां तक कि परिषदीय स्कूलों को भी एआई से जोड़ा जाएगा। राजधानी लखनऊ के सात मार्गों पर बनने वाले प्रवेश द्वारों के लिए रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए प्रदेश सरकार के बजट में 30 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

मुख्यमंत्री ने 30 जनवरी को द्वार बनाए जाने की घोषणा की थी। द्वार बनने से राजधानी में प्रवेश करते ही प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत के दर्शन होंगे। धर्म–शौर्य के प्रतीक इन प्रवेश द्वारों पर उत्तर प्रदेश का राजकीय चिह्न भी होगा। ये द्वार लखनऊ से प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, नैमिषारण्य, हस्तिनापुर, मथुरा

और झांसी की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों पर बनाए जाएंगे। इनकी डिजाइन में भारतीय पारंपरिक वास्तुकला, शिल्पकला, सांस्कृतिक प्रतीक होंगे। स्तंभ, म्यूरल, फव्वारे, प्रकाश व्यवस्था से प्रवेश द्वारों को सौंदर्यपूर्ण बनाया जाएगा।

संगम, नंदी, सूर्य, व्यास, धर्म, कृष्ण, शौर्य होंगे नाम

मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत प्रयागराज मार्ग (रायबरेली रोड) पर त्रिवेणी संगम और महाकुंभ परंपरा को दशनि वाला संगम द्वार, वाराणसी मार्ग (सुल्तानपुर रोड) पर श्री काशी विश्वनाथ धाम को दर्शाने वाला नंदी द्वार, अयोध्या मार्ग (बाराबंकी रोड) पर भगवान श्रीराम और सूर्यवंश की परंपरा पर आधारित सूर्य द्वार होना चाहिए। नैमिषारण्य मार्ग (सीतापुर रोड) पर व्यास द्वार, हस्तिनापुर मार्ग (हरदोई रोड) पर धर्म द्वार, मथुरा मार्ग (आगरा रोड) पर कृष्ण द्वार तथा झांसी मार्ग (उन्नाव रोड) पर वीरता और शौर्य का प्रतीक शौर्य द्वार स्थापित बनाया जाएगा।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लिए मिले 50 करोड़ रुपये

राष्ट्र प्रेरणा स्थल के संचालन के लिए 50 करोड़ रुपये का बजट मिला है। यह रकम प्रेरणा स्थल के कॉर्पस फंड (मूल कोष) के लिए है। इसमें एलडीए की ओर से भी 25 करोड़ रुपये दे दिए जाएंगे। कुल 75 करोड़ रुपये से मिलने वाली ब्याज की रकम से स्थल के रखरखाव पर खर्च होगा। अधिकारियों का कहना है कि टिकट से होने वाली आय और कॉर्पस फंड के ब्याज की रकम से ही पार्क का रखरखाव होगा। राष्ट्र प्रेरणा स्थल का प्रवेश शुल्क 15 रुपये है। यहां के म्यूजियम का प्रवेश शुल्क 50 रुपये है। इनके टिकट की आय के अलावा 75 करोड़ रुपये के फंड को बैंक में जमा किया जाएगा। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल के संचालन के लिए शासन स्तर पर कमेटी बनाई गई है। प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन विभाग इसके अध्यक्ष हैं। एलडीए उपाध्यक्ष सदस्य सचिव, प्रमुख सचिव वित्त, प्रमुख सचिव नगर विकास, प्रमुख सचिव पर्यटन, प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग, मंडलायुक्त समिति में सदस्य हैं।

बजट में पंचायतों को बड़ा तोहफा, आधुनिक पढ़ाई के लिए बनाई जाएंगी डिजिटल लाइब्रेरी, 67 प्रतिशत बजट बढ़ा

लखनऊ,संवाददाता। प्रदेश सरकार ने पंचायती राज विभाग के बजट में बड़ा इजाफा करते हुए ग्रामीण विकास को नई गति देने का ऐलान किया है। इस वर्ष विभाग को पिछली बार की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक बजट मिला है। पंचायती राज की विभिन्न योजनाओं के लिए कुल 32,090 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके तहत प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में उत्सव भवन बनाए जाएंगे, जिससे सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण के लिए 2,823 करोड़ रुपये रखे गए हैं। इससे व्यक्तिगत और सामुदायिक शौचालयों का निर्माण, ठोस–तरल कचरा प्रबंधन और गांवों में स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी। सरकार का लक्ष्य स्वच्छ और स्वस्थ ग्रामीण परिवेश तैयार करना है।

गांव–गांव में आधुनिक पढ़ाई की सुविधा

डिजिटल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए हर ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जाएंगी। इसके लिए 454 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। इन लाइब्रेरी में ई–बुक्स और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी सामग्री उपलब्ध होगी।

स्टेडियम,, ओपन जिम निर्माण में आएगी तेजी

खेल और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए गांवों में स्टेडियम और ओपन जिम के निर्माण पर 130 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। साथ ही 1,000 बहुद्देशीय पंचायत भवनों के लिए 57 करोड़ और उत्सव भवन योजना के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

राज्य सरकार लाएगी देश की पहली आबकारी निर्यात नीति

स्टेट जीएसटी के बाद सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले आबकारी विभाग में निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए नीति लाई जाएगी। राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026–27 में आबकारी विभाग को 71,278 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने का लक्ष्य दिया है, जो वर्तमान वित्तीय वर्ष से करीब 8 हजार करोड़ रुपये अधिक है।

इस लक्ष्य को पाने के लिए देश में पहली बार यूपी आबकारी निर्यात नीति लाई जाएगी, आबकारी निवेशक शिखर सम्मेलन भी कराया जाएगा। विभाग ने बीते दिनों एक निवेशक सम्मेलन कराया भी था, जिसमें देश की कई शराब कंपनियां और संगठन शामिल हुए थे।

नई आबकारी नीति में खासकर सिंगल मॉल्ट स्कॉच का उत्पादन करने और उसे निर्यात करने के लिए कंपनियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। विदेशियों को यूपी में बनी सिंगल मॉल्ट शराब का स्वाद चखाने के लिए करीब आधा दर्जन कंपनियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में केवल दो कंपनियों रेडिको खेतान और मोहन मीकिंस की बनाई सिंगल मॉल्ट शराब विदेश भेजी जाती है।

रेडिको के दो ब्रांड विदेश में लोकप्रिय भी हैं। वह अपने प्लांट की क्षमता बढ़ा भी रहा है। तीन अन्य कंपनियों ने इसमें रुचि दर्शाई है। मोदीनगर में मोदी इल्वा, मुजफ्फरनगर में इंडो स्प्रिट और लखीमपुर खीरी में ग्लोबस स्प्रिट भी सिंगल मॉल्ट शराब का उत्पादन शुरू करने वाली हैं। विभाग वर्ष 2026–27 की नई आबकारी नीति में यूपी में बनी शराब के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए कई सहूलियतें भी देने जा रहा है। यूरोपियन यूनियन से हुए समझौते के बाद जहां विदेशी शराब यूपी के बाजारों में उपलब्ध होगी, वहीं यूपी में बनी शराब यूरोप के 10 से ज्यादा देशों में भेजी जाएगी। हालांकि, विदेशी शराब आने के बाद बाजार में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी।

बाहर बैठे माफिया ने केंद्र पर कंप्यूटर बंद कराकर कराई नकल

परीक्षार्थियों ने कंप्यूटर स्विच आफ कर साल्वरों को रिमोट पर दे दिया था एक्सेस

कर्मचारी चयन आयोग ने शुरू की भविष्य की परीक्षाओं से डिबार करने की कार्रवाई

प्रयागराज,संवाददाता। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की एमटीएस और हवलदार भर्ती–2025 की कंप्यूटर आधारित परीक्षा में कंप्यूटर बंद कराकर एक्सेस बाहर बैठे माफिया को देकर नकर लगाने का नए ढंग का मामला सामने आया है। प्रयागराज स्थित एसएससी के मध्य क्षेत्र कार्यालय ने इस प्रकरण में 10 अभ्यर्थियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई है। साथ ही इन सभी को भविष्य की परीक्षाओं से डिबार (अयोग्य घोषित) करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

तकनीकी खामी का लाभ उठाने की कोशिश की

एमटीएस और हवलदार भर्ती के पहले चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा चार फरवरी से 20 फरवरी तक विभिन्न शहरों में आयोजित की जा रही है। परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को निर्देश दिए गए थे कि जिस कंप्यूटर पर वे परीक्षा दे रहे हैं, उसे किसी भी स्थिति में स्विच आफ नहीं करना है। इसके बावजूद कुछ अभ्यर्थियों ने सुनियोजित तरीके से कंप्यूटर बंद कर तकनीकी खामी का लाभ उठाने की कोशिश की।

डिजिटल ट्रैकिंग से पता चला

जांच में सामने आया कि संबंधित अभ्यर्थियों ने परीक्षा के दौरान कंप्यूटर को बंद कर दिया और परीक्षा केंद्र के बाहर बैठे साल्वर को रिमोट एक्सेस के माध्यम से सिस्टम संचालित करने का अवसर दिया। परीक्षा साफ्टवेयर की लाइव मानिटरिंग कर रहे अधिकारियों को संदिग्ध गतिविधि का संकेत मिला, जिसके बाद तत्काल तकनीकी जांच की गई। डिजिटल ट्रैकिंग से स्पष्ट हुआ कि सिस्टम को जानबूझकर बाधित किया गया था।

अलग–अलग तिथियों पर पकड़ी गई गड़बड़ी

एसएससी मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि अलग–अलग तिथियों पर विभिन्न शहरों में यह गड़बड़ी पकड़ी गई। छह फरवरी को झांसी में तीन अभ्यर्थी, नौ फरवरी को कानपुर में एक, दस फरवरी को वाराणसी में दो और 11 फरवरी को वाराणसी में ही चार अभ्यर्थी हाईटेक तरीके से नकल करवाते हुए पकड़े गए। सभी के खिलाफ संबंधित थानों में एफआइआर दर्ज कराई जा चुकी है। दोषी पाए गए अभ्यर्थियों को न केवल वर्तमान भर्ती प्रक्रिया से बाहर किया जा रहा है बल्कि भविष्य में एसएससी की सभी परीक्षाओं में बैठने से भी वंचित किया जा सकता है।

पांच राज्यों में अपराध...

मुजफ्फरनगर में 50 हजार का इनामी बदमाश अमजद मुठभेड़ में ढेर

संवाददाता, मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना कोतवाली पुलिस की बुधवार देर रात बदमाशों के साथ मुठभेड़ हुई। पुलिस की तरफ से की गई फायरिंग में 50 हजार का इनामी बदमाश ढेर हो गया, जबकि उसका साथी फरार हो गया। बदमाशों की तरफ से की गई फायरिंग में उपनिरीक्षक संदीप कुमार और सिपाही इशफाक भी गोली लगने पर घायल हो गए। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि मारा गया बदमाश अमजद शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव हरसौली का रहने वाला था। उसके खिलाफ हत्या, लूट, जानलेवा हमला व गैंग्स्टर समेत 40 से अधिक आपराधिक मुकदमे पंजीकृत थे। यूपी समेत हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और उत्तराखंड राज्य में भी अमजद ने आपराधिक वारदातों को अंजाम दिया।

निर्विरोध चुने गए बार के पदाधिरियों ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

अलीगंज,संवाददाता। तहसील बार एसोसिएशन के निर्विरोध निर्वाचित सभी पदाधिकारियों ने बुधवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। समारोह के मुख्य अतिथि राज्य विधिक परिषद प्रयागराज के सदस्य अंकज मिश्रा ने सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह को संबोधित करते हुए अंकज मिश्रा ने अधिवक्ताओं को एकता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने हर परिस्थिति में सभी अधिवक्ताओं को एकजुट रहने का संदेश दिया। उन्होंने शपथ लेने वाले बार के सभी पदाधिकारियों पर अधिवक्ता हित में काम करने और न्यायिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद जताई है।शपथ लेने वालों में प्रमोद कुमार मिश्रा ने अध्यक्ष, संतोष यादव ने सचिव, राघवेंद्र कुमार ने महासचिव, अनिल कुमार ने कोषाध्यक्ष, राकेश चंद्र कनिष्ठ सहायक, किशन यादव पुस्तकालय मंत्री, रामेंद्र देव मिश्रा ने कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद की शपथ ली। कमेटी के वरिष्ठ सदस्य विनय कुमार सिंह, रामकृष्ण चतुर्वेदी, रामवीर दीक्षित, प्रमोद सक्सेना, सुधीर शाक्य और कनिष्ठ सदस्य जितेंद्र पाल सिंह, सुधीर प्रताप सिंह, अशोक शाक्य, राहत अली, राजेश दीक्षित, पुष्पेंद्र यादव को भी शपथ दिलाई गई।

एक माह में चुनी गईं दो बार कमेटी

तहसील बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं में ढाई माह से दो खेमे में बंटे हुए हैं। दिसंबर माह में विवाद होने पर पूर्व उपाध्यक्ष केपी सिंह यादव गुट ने नई एल्डर्स कमेटी का गठन कर बार का चुनाव करा दिया। जनवरी माह में हुए चुनाव में अध्यक्ष पद पर महेंद्र पाल शाक्य सहित सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। पूर्व अध्यक्ष शेष कुमार तिवारी गुट ने फरवरी माह में चुनाव की घोषणा कर दी। इसमें भी सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए, जिनको बुधवार को शपथ दिलाई गई है।

मदरसा शिक्षक के आवास पर ईडी की छापेमारी

ब्रिटिश नागरिकता के बावजूद वेतन लेने का आरोप

आजमगढ़,संवाददाता। आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर में मदरसा शिक्षक के अस्थायी आवास पर पहुंची ईडी की टीम घंटों जांच करती रही। उस पर ब्रिटिश नागरिकता लेने के बावजूद भारत में करीब 16 लाख रुपये वेतन लेने का आरोप लगा है। आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर थाना क्षेत्र के मिल्लतनगर में बंद मदरसा शिक्षक शमसुल हुदा खान के अस्थायी आवास पर बुधवार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने छापेमारी की कार्रवाई की। ब्रिटेन की नागरिकता लेने के बावजूद भारत में वेतन और सेवानिवृत्ति लाभ लेने के आरोपों को लेकर जांच तेज कर दी गई है। हालांकि ईडी के अधिकारी कार्रवाई के संबंध में आधिकारिक तौर पर कुछ भी बताने से बच रहे हैं। सुबह आठ बजे देर शाम तक ईडी शिक्षक के घर में जांच–पड़ताल करती रही।

जानकारी मुताबिक संतकबीरनगर निवासी शमसुल हुदा खान की नियुक्ति 12 जुलाई 1984 को आजमगढ़ स्थित 'दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया मिस्बाहुल उलूम' में सहायक अध्यापक के पद पर हुई थी। वर्ष 2007 में वह ब्रिटेन चले गए और वर्ष 2013 में वहां की नागरिकता प्राप्त कर ली।

गोरखपुर जेल में दो बंदियों के बीच खूनी संघर्ष, नुकीले हथियार के हमले से एक कैदी घायल

गोरखपुर जिला कारागार में बंदियों के बीच खूनी झड़प हुई, जिसमें एक बंदी नुकीली वस्तु से घायल हो गया। यह घटना जेल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती है।

संवाददाता, गोरखपुर। जिला कारागार की बैरक नंबर–26 में बंदियों के बीच हुई खूनी झड़प ने एक बार फिर जेल सुरक्षा व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

बुधवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे हुए विवाद में एक बंदी पर नुकीली वस्तु से हमला कर दिया गया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद बैरक में अफरा–तफरी मच गई और अन्य बंदियों में दहशत फैल गई।

संतकबीरनगर जनपद के खलीलाबाद क्षेत्र निवासी सुशील कुमार चौधरी खोराबार थाने में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में 24 फरवरी 2025 से जेल में निरुद्ध हैं।

> गोरखपुर जेल में बंदियों के बीच खूनी झड़प हुई। नुकीली वस्तु से हमले में एक बंदी गंभीर घायल। जेल सुरक्षा पर सवाल, पुलिस जांच में जुटी।

तहरीर में सुशील ने आरोप लगाया कि सहबंदी खरभान यादव उर्फ राहुल यादव ने बुधवार की भोर में पहले गाली–गलौज की और फिर अचानक किसी नुकीली वस्तु से उन पर वार कर दिया। हमले में वह घायल हो गए।

सुनकर जेल कर्मी मौके पर पहुंचे और हालात को काबू में किया गया।

घटना के बाद घायल बंदी ने जेल अधीक्षक को लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। जेल प्रशासन की ओर से मामला पुलिस को भेजा गया। घायल बंदी की तहरीर के आधार पर शाहपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि घायल बंदी की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि जेल परिसर के भीतर नुकीली वस्तु कैसे पहुंची। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बरेली के लिए नई घोषणा नहीं

बजट से पुरानी परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

बरेली,संवाददाता। प्रदेश सरकार ने बजट में इस बार बरेली के लिए कोई विशेष घोषणा नहीं की है, हालांकि शहरी विकास पर खासा जोर दिया गया है। इससे शहर में चल रही पुरानी परियोजनाओं के कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है। प्रदेश सरकार की ओर से बजट में बरेली के लिए कोई नई घोषणा नहीं की गई, लेकिन इन्फ्रास्ट्रक्चर मद में किए गए भारी–भरकम आवंटन से नाथ कॉरिडोर, सीएम ग्रिड योजना सहित अन्य विकास के कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है। नगर निगम व विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने भी इसी मद से बरेली की झोली भरने की उम्मीद जताई है। प्रदेश सरकार ने बजट का एक चौथाई हिस्सा शहरों को निर्माण कार्य के लिए दिया है। शहरवासियों को उम्मीद थी कि बजट में अलग से कोई प्रावधान किया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नाथ कॉरिडोर परियोजना के तहत नाथ मंदिरों को सजाने, संवारने और आपस में जोड़ने का काम किया जा रहा है।

मिसमैच्ड' से 'कालेज रोमांस' तक

14 फरवरी को वैलेंटाइंस डे मनाया जाने वाला है. इस खास मौके पर आप अपने पार्टनर के साथ ये रोमांटिक वेब सीरीज देख सकते हैं. जो आपके अपने कॉलेज के दिनों की याद दिला देगी. 14 फरवरी को वैलेंटाइंस डे मनाया जाने वाला है. इस खास मौके पर वैसे तो कपल्स बहुत सारे प्लान्स बनाते हैं. लेकिन अगर आपके अब तक कोई प्लान नहीं बनाया है और केवल घर पर बैठकर चिल करने का मूड है. तो ऐसे में हमने आपके लिए रोमांटिक वेब सीरीज की एक लिस्ट तैयार की है, इस लिस्ट में वो सारी वेब सीरीज हैं जो आप 14 फरवरी को पार्टनर के साथ बैठकर देख सकते हैं और वैलेंटाइन वीक में प्यार और रोमांस घोल सकते हैं.

प्राजक्ता कोहली और रोहित सराफ स्टारर इस वेब सीरीज के तीन सीजन आ चुके हैं. इसका फाइनल सीजन इसी साल आने वाला है. ये एक लव स्टोरी है जो कॉलेज लाइफ, अरेंज मैरिज, लव मैरिज रिलेशनशिप्स के उतार– चढ़ाव सबकुछ एक साथ दिखाने वाली है. आपको अपने पार्टनर के साथ ये सीरीज देखते हुए अपने कॉलेज के दिन याद आ जाएंगे.

काव्या और ध्रुव की ये लव स्टोरी बहुत प्यारी है. इस सीरीज के सीरे सीजन आ चुके हैं. अगर आपके अब तक ये सीरीज नहीं देखी है तो आप देख सकते हैं और यदि देख चुके हैं तो एक बार फिर से भी इसे देखा जा सकता है. ये सीरीज बहुत प्यारी है.

ये वेब सीरीज कॉलेज, कोचिंग, स्टुडेंट्स के बीच करियर की चिंता और प्यार सबकुछ दिखाती है. इस सीरीज को देखते हुए आपको पूरा कोचिंग और कॉलेज वाला टाइम याद आ जाएगा. इस वैलेंटाइंस डे के मौके पर आप भी पार्टनर के साथ ये सीरीज जरूर देखें.

कॉलेज में तीन दोस्तों का ग्रुप, जिनकी अपनी अलग– अलग लव लाइफ चल रही है. 'कॉलेज रोमांस' वेब सीरीज इसी पर आधारित है. इस सीरीज को देखकर आपको अपने कॉलेज के दिन याद आ जाएंगे और उस समय का क्रश भी याद आ जाएगा.

हाफ लव हाफ अरेंज्ड

मानवी गगरू और करण सिंह वाही स्टारर ये सीरीज मिनी टीवी पर उपलब्ध है. इस सीरीज में मानवी की लव लाइफ और उनका कंफ्यूजन देखकर आपको भी एहसास होगा कि हमारे साथ भी ऐसा कुछ हुआ तो है. ये वेब सीरीज भी आप अपने पार्टनर के साथ जरूर देखें. ये वैलेंटाइन वीक को और भी खास बना देंगी.

कुशा कपिला, आसिफ खान और शाइन पांडे स्टारर वेब सीरीज 'देहाती लड़के' कॉलेज में एडमिशन के बाद पहले प्यार की फीलिंग वाला एहसास दिलाती है. ये वेब सीरीज आपको अपने कॉलेज के समय की याद दिला देगी और पहला प्यार या पहला क्रश तो जरूर याद दिलाएगी.

शाहिद कपूर फाइनली अपनी साल 2026 की पहली रिलीज ओ'रोमियो के साथ बड़े पर्दे पर कमबैक कर रहे हैं. पिछले साल देवा में ।ब्द देव अम्ब्रे के रोल में अपनी परफॉर्मेंस से फैंस को हैरान करने के बाद, शाहिद अब मच अवेटेड 'ओ'रोमियो' के साथ इस शुक्रवार, 13 फरवरी को धमाल मचाने के लिए तैयार है. एक्शन थ्रिलर कही जा रही इस फिल्म को विशाल भारद्वाज ने डायरेक्ट किया है और इसमें तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पटानी, फरीदा जलाल और विक्रांत मैसी भी हैं. फिल्म को लेकर पहले ही काफी बज बन चुका है और इसकी खूब एडवांस बुकिंग भी हो रही है. इस बीच 'ओ'रोमियो' का फर्स्ट रिव्यू भी आ गया है. जानते हैं ये फिल्म कैसी है?

ओ'रोमियो का फर्स्ट रिव्यू आउट

एक्अर से क्रिटिक बने कुलदीप गढ़वी ने शाहिद कपूर की ओ'रोमियो का पहला रिव्यू शेयर किया है. उन्होंने एक्स पर किए अपने पोस्ट में लिखा है, ओ'रोमियो एक ज़बरदस्त एक्शन–रोमांटिक थ्रिलर है जिसमें ज़बरदस्त ड्रामा और मज़बूत इमोशनल बातें हैं, जो एक मज़बूत असर छोड़ती हैं. एक डिटेल्ड रिव्यू में, कुलदीप ने लिखा, "ओ'रोमियो एक बोल्ड और दमदार रोमांटिक एक्शन थ्रिलर है जो एकतरफ़ा जुनून को इंटेंस क्राइम ड्रामा के साथ जोड़ती है." उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडावाल द्वारा निर्मित ये फ़िल्म रॉ इमोशन, स्केल और इंटेंसिटी दिखाती है. गढ़वी ने शाहिद की एग्रेसिव और निडर परफॉर्मेंस की भी तारीफ़ की, और इसे उनके करियर का सबसे अहम पल बताया. साथ ही, उन्होंने कहा कि तृप्ति ने कहानी को इमोशनल डेप्थ दी है और कुल मिलाकर, फिल्म की अपील को बढ़ाया. उन्होंने ओ'रोमियो को पांच में से चार स्टार दिए. कुलदीप गढ़वी ने शाहिद स्टारिंग फिल्म को "बाप लेवल की फिल्म, एक पूरा मास + क्लास सिनेमैटिक एक्सपीरियंस" बताया।

क्या बान्ड गर्ल बनेंगी प्रियंका चोपड़ा

फिल्म में कास्टिंग को लेकर दिया बड़ा हिट, फैंस हुए उत्साहित

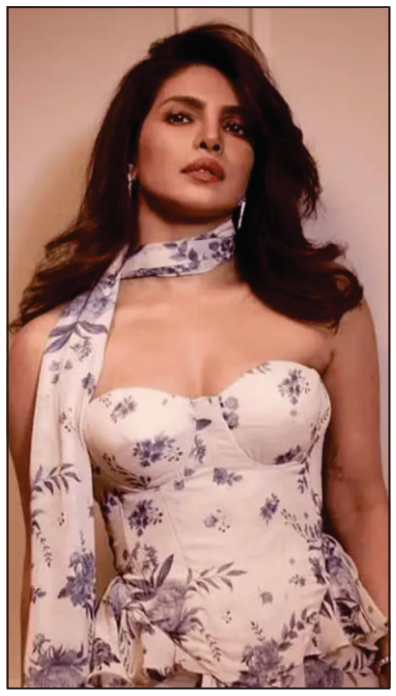

एंटरटेनमेंट डेस्क। प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से निकलकर हॉलीवुड फिल्मों में भी अपने लिए जगह बना ली है। हाल ही में एक इंटरव्यू में देसी गर्ल ने ऐसी बात कही, जिससे हिंट मिला की वह अगली बॉन्ड गर्ल हो सकती है। इस बात पर फैंस ने भी रिएक्शन दिए हैं। प्रियंका चोपड़ा की जल्द ही एक हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन कर रही हैं। फैंस उनके एक्शन के कायल हो गए हैं। इसी बीच प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा की है। इसी दौरान उन्होंने 'बॉन्ड' सीरीज की अगली फिल्म को लेकर जिक्र किया। क्या वह सच में इसका हिस्सा हैं। जानिए, प्रियंका ने क्या कहा? और फैंस का इस बात पर क्या रिएक्शन रहा है?

'007 बॉन्ड' सीरीज पर प्रियंका चोपड़ा ने क्या कहा?

वैरायटी को दिए गए हालिया इंटरव्यू में करियर को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने लंबी बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने 007 बॉन्ड सीरीज की फिल्म को लेकर बड़ा हिंट दिया। वह कहती हैं, 'यह प्रोजेक्ट सच में ग्लोबल हो सकता है। मैं इस बात के लिए उत्साहित हूं कि मेकर्स कौन सा रास्ता चुनते हैं।' यह खबर सुनकर प्रियंका चोपड़ा के फैंस काफी खुश हैं। फैंस सोशल मीडिया पर प्रियंका चोपड़ा को बेस्ट बॉन्ड गर्ल बताने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स क्या हैं?

प्रियंका चोपड़ा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' और राजामौली की पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' का हिस्सा हैं। 'वाराणसी' फिल्म में प्रियंका चोपड़ा साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म बड़े स्तर पर बन रही है। इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका चोपड़ा लगातार भारत आ रही हैं। अब उनका नाम फिल्म '007 बॉन्ड' सीरीज को लेकर भी सामने आ रहा है। देखना होगा कि क्या सच में वह बॉन्ड गर्ल बनती हैं या नहीं।

'कपूर एंड संस' में साथ काम करने पर बोली रत्ना पाठक

'अपनी जेनरेशन से काफी अलग हैं आलिया भट्ट

एंटरटेनमेंट डेस्क। अभिनेत्री आलिया भट्ट के बारे में एक्ट्रेस रत्ना पाठक ने कई बातें शेयर कि। एक इंटरव्यू में आज के समय के एक्टर्स और आलिया के व्यवहार में काफी फर्क बताया। साथ ही फिल्म 'कपूर एंड संस' में साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया। आलिया भट्ट की 'कपूर एंड संस' 2016 में रिलीज हुई एक फैमिली फिल्म थी। इस फिल्म में ऋषि कपूर ,रत्ना पाठक समेत कई मशहूर कलाकार थे। हाल में दिए अपने इंटरव्यू में अभिनेत्री रत्ना पाठक ने आलिया भट्ट के शूटिंग दौरान उनके बिहेवियर की बात कि।

रत्ना ने आलिया को लेकर कही बड़ी बात

अभिनेत्री रत्ना पाठक ने कई दशकों तक लोगों का मनोरंजन किया है। 'साराभाई वर्सेस साराभाई' से एक्ट्रेस घर–घर मशहूर हो गई थीं। बीते दिनों एक्ट्रेस ने पिंकविला को दिए अपने इंटरव्यू में आलिया से जुड़ी कई बातें बताई । उन्होंने कहा 'आलिया बहुत सेट पर काफी अलर्ट रहती हैं। शूटिंग के वक्त सारा समय वो स्क्रीन के सामने ही बैठी रहतीं थी। ऐसा वो सिर्फ तब नहीं करती थीं जब वो एक्टिंग कर रहीं हो अगर दूसरों का शॉट हो तब भी वो ऐसा ही करती थीं। '

आलिया क्यूट बनने की कोशिश नहीं करतीं

आलिया भट्ट की काम के प्रति लगन के बारे में आगे रत्ना ने बताया कि 'आलिया अपने काम को काफी गंभीरता से देखती थीं। वो अपनी जेनरेशन के बाकी एक्टर्स की तरह ओवर क्यूट बनने की कोशिश नहीं करती। आजकल यंग बच्चे ज्यादा ही सेट पर एंटरटेन करने की कोशिश करते हैं। ताकि वो आसानी से सब सीख जाएं।मगर ये कई बार उनकी एक्टिंग खराब कर देता है। मगर आलिया के साथ ऐसा नहीं है, वह कम बोलतीं हैं। फिल्म 'कपूर एंड संस' में हमारे सीन एक साथ नहीं थे तो एक बार ही हमारी बात हुई मगर फिर भी उनका स्वाभाव मुझे अच्छा लगा '।

कपूर एंड संस के बारे में

कपूर एंड संस 2016 में रिलीज हुई एक फैमिली ड्रामा फिल्म थी।इस फिल्म में पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान, दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर , आलिया भट्ट, सिद्धार्थ मल्होत्रा, रत्ना पाठक समेत कई अभिनेता थे। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया गया था।

अभिषेक की जगह ओपनिंग करेंगे संजू, क्या ईशान भी होंगे बाहर? टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ी

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ने सात फरवरी को यूएसए के विरुद्ध 29 रन से जीत दर्ज की थी। नामीबिया के खिलाफ मुकाबले के बाद भारतीय टीम 15 फरवरी को पाकिस्तान से भिड़ेगी, जिसके बाद 18 फरवरी को उसका सामना नीदरलैंड से होगा। मौजूदा चैंपियन भारत को गुरुवार को दिल्ली में होने वाले टी20 विश्व कप मैच में नामीबिया से किसी तरह का खतरा नहीं है, लेकिन सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पेट के संक्रमण और ईशान किशन को अभ्यास सत्र में लगी चोट के कारण मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित टीम प्रबंधन चिंतित होगा, क्योंकि इससे उनकी योजनाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में वानखेड़े की चिपचिपी पिच पर बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। अब उन्हें अरुण जेटली स्टेडियम की पिच पर आक्रामक खेल दिखाना चाहेगा, जिसे बल्लेबाजी के लिए बेहतरीन पिच कहा जा सकता है। नामीबिया के खिलाफ भारत का पलड़ा बहुत भारी है जिसकी टीम इसी मैदान पर नीदरलैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। इस तरह से देखा जाए तो भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले यह मैच अभ्यास मैच की तरह है। भारत अगर टॉस जीतता है तो वह पहले बल्लेबाजी करना चाहेगा ताकि उसके बल्लेबाजों को पर्याप्त अवसर मिल सके। नामीबिया का गेंदबाजी आक्रमण खास नहीं है और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रही कोई भी टीम उसको छठी का दूध याद दिला सकती है।

अभिषेक के पेट में संक्रमण की समस्या

भारत के लिए पेट के संक्रमण और वायरल बुखार के कारण अभिषेक का अस्पताल में भर्ती होना चिंताजनक था। हालांकि, अब उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा चुका है। पर ठीक होने के तुरंत बाद खिलाने का जोखिम टीम मैनेजमेंट नहीं उठाना चाहेगा। पर हम सब अभिषेक के जुझारूपन से भलीभांति वाकिफ हैं। वह एक फाइटर खिलाड़ी माने जाते हैं जो चुनौतियों से नहीं डरते। ऐसे में वह मैनेजमेंट को मनाकर मैदान पर उतर जाएं तो हमें आश्चर्य नहीं होगा। हालांकि, रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले बड़े मैच से पहले उन्हें पूरी तरह से ठीक होने का मौका देने के लिए मैदान पर उतारना उचित नहीं होगा, क्योंकि उस मैच में अभिषेक की मौजूदगी विपक्षी टीम के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती साबित होगी। नामीबिया के खिलाफ मैच खराब फॉर्म से जूझ रहे संजू सैमसन के लिए लय में लौटने का एक सुनहरा मौका साबित हो सकता है, क्योंकि लगातार असफलताओं के चलते उन्हें अपनी जगह ईशान किशन के हाथों गंवानी पड़ी, जो इस समय शानदार फॉर्म में हैं।

ईशान किशन को भी लगी चोट

हालांकि, समस्या ईशान के साथ भी है। बुधवार को ईशान किशन को ऑप्शनल प्रैक्टिस सेशन के दौरान जसप्रीत बुमराह की तेज यॉर्कर लगने से पैर के अंगूठे में चोट लग गई। ईशान किशन नेट्स में सबसे पहले पैड पहनकर आए थे, लेकिन अपने सेशन की शुरुआत में ही, बुमराह की एक यॉर्कर उनके बाएं पैर में लगी, जिससे उन्हें बहुत दर्द हुआ। इसके बाद सपोर्ट स्टाफ ने उनका बायां पैड और जूता खोला। ईशान दर्द में नजर आ रहे थे। इस बीच फिजियो के आकलन के दौरान बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल ने भी उनकी चोट को जांचा। कुछ मिनट बाद, किशन ने नंगे पैर चलने की कोशिश की, लेकिन वह लंगड़ा रहे थे।

हालांकि, वह ऐसे संकेत दे रहे थे कि चोट उतनी गंभीर नहीं थी जितनी शुरू में डर था। पांच मिनट के अंदर, किशन ने अपना जूता वापस पहना, फिर से पैड पहने और कुछ गेंदों का सामना करने के लिए वापस आए। वह थोड़ा असहज दिखे और फिर एक बार बाहर निकले और एक स्टाफ मेंबर के साथ ड्रेसिंग रूम में वापस चले गए। यह स्पष्ट नहीं था कि उन्होंने एहतियातन नेट्स जल्दी छोड़ दिया या बस टीम के साथी संजू सैमसन को बैटिंग का समय दे दिया।

संजू को लेकर कोच डेशकाटे का बयान

मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे ने कहा, 'संजू अच्छा महसूस कर रहे हैं और चोटिल खिलाड़ी के स्थान पर टीम में अपनी भूमिका को समझ रहे हैं। वह एक नेक इंसान हैं, टीम के साथ उनका व्यवहार अच्छा है, वह अच्छी तरह से अभ्यास कर रहे हैं और टीम में हम सभी से यही उम्मीद करते हैं।' अगर ईशान और अभिषेक दोनों ही नहीं खेलते हैं, तो टीम मैनेजमेंट के लिए बड़ी समस्या होगी। ऐसे में टीम संजू और वॉशिंगटन सुंदर से ओपनिंग करा सकता है। भारत की मजबूत बल्लेबाजी को रोकना नामीबिया के लिए कड़ी चुनौती होगी। उनके बल्लेबाजों के लिए जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पंड्या की गेंदों का सामना करना और भी चुनौतीपूर्ण होगा। नामीबिया के शीर्ष छह बल्लेबाजों में से केवल ऑलराउंडर जेजे स्मिट का स्ट्राइक रेट 140 से अधिक है। चक्रवर्ती का सामना करना नामीबिया की टीम के लिए बहुत बड़ी चुनौती हो सकती है क्योंकि वे आमतौर पर इतने उच्च स्तर के गेंदबाजों का सामना नहीं करते हैं।

भारत–ए के खिलाफ नामीबिया 100 के अंदर आउट

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की कार्यक्रम बनाने वाली टीम ने यह सुनिश्चित किया कि पाकिस्तान के खिलाफ व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण मैच को छोड़कर भारत के लीग चरण के बाकी मैच ऐसी टीमों के खिलाफ हों जो इस प्रारूप में भारत की ए, बी या सी टीम से भी हार जाएंगी। टूर्नामेंट से पहले एक अभ्यास मैच में भारत ए ने नामीबिया को 100 से कम रन पर आउट कर दिया था। अगर पाकिस्तान के खिलाफ मैच में कुछ गड़बड़ भी हो जाए तब भी भारत सुपर आठ में पहुंच जाएगा, जहां असली परीक्षा शुरू होगी। वहां भी ग्रुप इस तरह से तैयार किए गए हैं कि अगर भारत सेमीफाइनल में पहुंचता है तो उसे न तो ऑस्ट्रेलिया और न ही दक्षिण अफ्रीका का सामना करना पड़ेगा।

भारत के खिलाफ मैच से पहले अपने ही बाबर आजम पर बरसे

शहजाद–आमिर और लतीफ ने लाइव शो में उड़ाई खिल्ली

स्पोर्ट्स डेस्क। टी20 वर्ल्ड कप में भारत से मैच से पहले बाबर आजम की फॉर्म पर सवाल उठ रहे हैं। लाइव टीवी डिबेट में अहमद शहजाद, मोहम्मद आमिर और राशिद लतीफ ने मजाकिया अंदाज में शर्तें लगा दीं, किसी ने दावत का वादा किया, तो किसी ने रिटायरमेंट वापसी की बात कही। अब नजरें बाबर की पारी पर टिक गई हैं। पाकिस्तान क्रिकेट के पोस्टर बॉय रहे बाबर आजम इन दिनों अपनी जगह बचाने की जंग लड़ते दिख रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले मैच में नीदरलैंड्स के खिलाफ 18 गेंदों पर 15 रन की पारी ने आलोचकों को और मुखर कर दिया। हालांकि, अमेरिका के खिलाफ 32 गेंदों में 46 रन बनाकर उन्होंने वापसी की कोशिश जरूर की, लेकिन भारत के खिलाफ बड़े मुकाबले से पहले उनके प्रदर्शन को लेकर संशय बना हुआ है। अब पाकिस्तान को 15 फरवरी को कोलंबो में भारत से भिड़ना है। हालांकि, इस मैच से पहले उनके अपने ही उनकी खिल्ली उड़ा रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स अहमद शहजाद, मोहम्मद आमिर और राशिद लतीफ ने उनका जमकर मजाक उड़ाया।

लाइव शो में मजाक और बड़ी–बड़ी बातें

पाकिस्तानी टीवी शो 'हारना मना है' में एंकर ताबिश हाशमी से चर्चा के दौरान इन पूर्व क्रिकेटरों ने बाबर की क्षमता पर खुलकर तंज कसे और हैरान करने वाली शर्तें लगा दीं। अहमद शहजाद ने कहा, 'क्राउड कोऑर्डिनेटर को उस दिन खाना नहीं लाना पड़ेगा। पूरी टीम को मेरी तरफ से खाना मिलेगा।' मतलब साफ था– अगर बाबर मैच जिता दें, तो वह सबको दावत देंगे।

आमिर की रिटायरमेंट वाली शर्त

शो के एंकर ताबिश ने मोहम्मद आमिर की ओर से बड़ी घोषणा करते हुए कहा, 'अगर बाबर 160 के स्ट्राइक रेट से खेलते हैं और पाकिस्तान को जिताते हैं, तो आमिर रिटायरमेंट वापस ले लेंगे।' इस पर शहजाद ने शर्त थोड़ी वास्तविक बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'अगर वह 150 के स्ट्राइक रेट से 50 से ज्यादा रन बनाकर मैच जिता दें, तो ये सारी शर्तें लागू होंगी।' आमिर ने भी इस पर हामी भर दी।

पाकिस्तान के उस्मान तारिक के एक्शन पर छिड़ी बहस, अश्विन और आकाश चोपड़ा आमने–सामने

स्पोर्ट्स डेस्क। अमेरिका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद उस्मान तारिक की गेंदबाजी एक्शन चर्चा में है। श्रीवत्स गोस्वामी ने पॉज पर सवाल उठाए, जबकि आर अश्विन और आकाश चोपड़ा ने नियमों और तकनीक पर अलग नजरिया रखा। आईसीसी की क्लीन चिट के बाद भी बहस जारी है। अमेरिका के खिलाफ उस्मान तारिक ने तीन विकेट झटके और पाकिस्तान ग्रुप–ए में शीर्ष पर पहुंच गया, लेकिन मैच के बाद चर्चा जीत की नहीं, बल्कि उनकी गेंदबाजी एक्शन की होने लगी।

सोशल मीडिया पर चकिंग के आरोपों ने तूल पकड़ लिया। यह चर्चा नई नहीं है, पिछले काफी समय से हो रही है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पाकिस्तान दौरे पर कैमरन ग्रीन ने उस्मान पर चकिंग का आरोप लगाया था। इसके बाद से वह लगातार सुर्खियों में हैं। पाकिस्तान को अगला मैच 15 फरवरी को कोलंबो में भारत से खेलना है। ऐसे में भारत के तीन दिग्गज भी उस्मान पर बहस करने से पीछे नहीं रहे। आकाश चोपड़ा, आर अश्विन और श्रीवत्स गोस्वामी ने उस्मान पर अपनी अपनी राय रखी है।

श्रीवत्स गोस्वामी ने उठाया सवाल

पूर्व भारतीय विकेटकीपर श्रीवत्स गोस्वामी ने सीधे कोहनी के मुड़ने पर सवाल नहीं उठाया, बल्कि गेंद छोड़ने से पहले आने वाले 'पॉज' यानी उस्मान के कुछ क्षण के लिए रुकने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, 'फुटबॉल में भी पेनल्टी रन–अप के दौरान रुकने की इजाजत नहीं है। यह कैसे ठीक है? एक्शन ठीक है, लेकिन डिलीवरी से पहले पॉज? इसे गंभीरता से जारी नहीं रखा जा सकता।'

माइक टायसन को हराने वाला फाइटर फूट–फूटकर रोया

गर्लफ्रेंड के ओलंपिक चैंपियन बनने पर हुआ भावुक

स्पोर्ट्स डेस्क। जुट्टा लीरडैम ने 1000 मीटर में ओलंपिक रिकॉर्ड बनाकर गोल्ड जीता। स्टैंड में बैठे उनके मंगेतर जेक पॉल भावुक होकर रो पड़े और सोशल मीडिया पर गर्व जताया। टायसन को हराने वाला बॉक्सर इस बार प्यार की जीत पर पिघलता दिखा।

मिलानो कोर्टिना विंटर ओलंपिक 2026 में डच स्पीड स्केटर जुट्टा लीरडैम ने महिलाओं की 1000 मीटर रेस में 1:12.31 का समय निकालते हुए नया ओलंपिक रिकॉर्ड बना दिया। जैसे ही वह फिनिश लाइन पार कर गोल्ड की हकदार बनीं, स्टैंड में बैठे उनके मंगेतर जेक पॉल की आंखों से आंसू रुक नहीं पाए।

जेक पॉल हुए भावुक

29 वर्षीय बॉक्सर और सोशल मीडिया स्टार अपनी मां पाम और लीरडैम की मां मोनिक के साथ मुकाबला देख रहे थे। सिल्वर (बीजिंग 2022) से गोल्ड तक का सफर पूरा होते ही जेक फूट–फूटकर रोने लगे। यह पल दोनों लंबे समय से देख रहे थे।

मुश्किलों से बनी चैंपियन

लीरडैम के लिए यह सीजन आसान नहीं था। क्वालिफिकेशन के दौरान गिरने के बाद उन्हें चयन के लिए विशेष अनुमति की जरूरत पड़ी थी, लेकिन मिलान पहुंचकर उन्होंने मौका भुना और इतिहास रच दिया। उनकी टीममेट फेम्के कोक ने 1:12.59 के साथ सिल्वर, जबकि जापान की ताकागी मिहो ने ब्रॉन्ज जीता।

सोशल मीडिया पर प्यार का इजहार

जेक पॉल ने रोते हुए अपना वीडियो शेयर किया और लिखा, 'मुझे तुम पर बहुत गर्व है जुट्टी लीरडैम।' एक और वीडियो में उन्होंने लीरडैम को उठाया और लिखा, 'हमने खेल इतिहास के सबसे खास पलों में से एक देखा। शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि मुझे तुम पर कितना गर्व है।

नामीबिया के खिलाफ मैच से पहले बढ़ी भारत की चिंता

स्पोर्ट्स डेस्क। स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन बुधवार को अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए। बुमराह की खतरनाक गेंदबाजी का सामना करते हुए उन्हें चोट लगी। नामीबिया के खिलाफ गुरुवार यानी 12 फरवरी को दिल्ली में खेले जाने वाले मुकाबले से पहले भारतीय टीम को एक और झटका लग सकता है। दरअसल, स्टार बल्लेबाज ईशान किशन अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए। बुमराह की खतरनाक यॉर्कर से वह चोटिल हुए। इससे पहले अभिषेक शर्मा पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती हुए थे। हालांकि, बुधवार को उन्हें छुट्टी मिल गई। नामीबिया के खिलाफ मैच से पहले अभ्यास सत्र के दौरान ईशान किशन शानदार लय में नजर आए, लेकिन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की एक तेज यॉर्कर उनके बाएं पैर पर लग गई, जिससे उन्हें थोड़ी देर के लिए मैदान छोड़ना पड़ा। हालांकि, किशन बाद में दोबारा बल्लेबाजी करने लौटे, लेकिन ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिके।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।